राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE: HARHIN11569

वर्ष 1, अंक 126, पेज 8, मूल्य 1 रूपये सोमवार 22 जुलाई 2024 samachargate@gmail.com

लैपटॉप का कैमरा हो जाएगा नए जैसा साफ

Page 4

कांवड़ यात्रा: दुकानदारों के नाम बताने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्ली। यूपी सरकार के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है जिसमें राज्य सरकार ने यूपी में कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानों के मालिकों को अपने नाम लिखने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सोमवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में एनजीओ असोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स की ओर से अर्जी दाखिल कर यूपी सरकार के हाल के फैसले को चुनौती दी गई है। यूपी में कांवड यात्रा के दौरान दुकानदारों को अपने नाम डिस्प्ले करने के लिए कहा गया है। इसके बाद इस मामले में सियायत पहले से गर्म है और इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर इस फैसले को चुनौती दी गई है। मामले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ऋषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भाटी केस की सुनवाई करेंगे।

यूपी सरकार ने 19 जुलाई को किया ऐलान

यूपी सरकार ने 19 जुलाई को फैसला किया था कि जितने भी दुकानदार हैं खासकर खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ बेचने वाले दुकानदार हैं उन्हें कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ रूट पर दुकानों में दुकान के मालिकों का नाम डिस्प्ले करना होगा। यूपी सरकार ने कहा है कि यह फैसला कानून व व्यवस्था के हित में लिया गया है।

इस फैसले के बाद देश की सियासत गरमाई हुई है।

अब सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई होने जा रही है।

इस फैसले के बाद राजनीतिक दलों ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि यह सब भेदभाव को बढ़ावा देगा। यूपी सरकार के फैसले के बाद मध्य प्रदेश में भी इसी से मिलता जुलता फैसला लिया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई होने जा रही है।

इस फैसले के बाद राजनीतिक दलों ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि यह सब भेदभाव को बढ़ावा देगा। यूपी सरकार के फैसले के बाद मध्य प्रदेश में भी इसी से मिलता जुलता फैसला लिया गया है।

कांवड़ यात्रा: कई रूट पर डायवर्जन लागू

GT रोड भी बंद, CCTV और ड्रोन से निगरानी

समाचार गेट/ब्यूरो

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा सोमवार को सावन के साथ शुरू हो जाएगी। इसके लिए रविवार रात 12 बजे से ही शहर में ट्रैफिक डायवर्जन शुरू हो जाएगा। इसकी शुरुआत भारी वाहनों से होगी। यह डायवर्जन 5 अगस्त देर शाम तक लागू रहेगा। इसके साथ पहले सोमवार और उस दिन श्रद्धालुओं के दुधेश्वर नाथ मंदिर जाने को लेकर भी जीटी रोड अलग डायवर्जन प्लान लागू रहेगा।

पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र ने बताया कि टीम ने तैयारी पहले पूरी कर ली थी। इस बार 200 किमी से अधिक के कांवड़ मार्ग को 100 फीसदी कैमरे से लैस किया गया है। साथ ही 2100 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई है। डायवर्जन दो फेज में हो रहा है। भारी वाहनों के बाद हल्के वाहनों पर भी 26 जुलाई से पाबंदी लग जाएंगी।

कावड़ यात्रा में सुरक्षा को लेकर पुलिस जमीन के साथ आसमां से भी नजर रखेगी।

इस दौरान 11 ड्रोन का प्रयोग होगा। इसके साथ साथ 50 स्थानों पर नजर रखने के लिए वॉच टावर भी तैयार किए जा रहे हैं। जहां पुलिसकर्मी तैनात होंगे। साथ ही 100 से अधिक स्थानों पर पुलिस पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से लोगों को रूट्स और अन्य चीजों की जानकारी देगी। 5 स्थानों पर एलईडी की व्यवस्था की जा रही है।

दिल्ली से आने वाले वाहनों (तुलसी निकेतन बॉर्डर, सीमापुरी बॉर्डर, आनंद विहार बॉर्डर) का गाजियाबाद शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ये सभी वाहन चौधरी चरण सिंह मार्ग (रोड नंबर 58) का प्रयोग कर यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) होते हुए एनएच-9 से अपने गंतव्य को जाएंगी।

ये पॉइंटर स्टाइल में लगेगा

-दिल्ली से जिन्हें हरिद्वार, अमरोहा, मुरादाबाद, लखनऊ आदि स्थानों पर जाना है, वे यूपी गेट से प्रवेश कर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए डासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगी।

बागपत की ओर से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन ट्रॉनिका सिटी, सोनिया विहार होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगी।

हापुड़, बुलंदशहर की तरफ से आने वाले वाहन डासना पुल से सीधे गाजियाबाद शहर की ओर न आकर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए अपने गंतव्य को जाएंगी।

बुलंदशहर, हापुड़ की ओर से आने वाले वाहन लालकुआं से सीधे गाजियाबाद शहर की ओर न आकर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए जाएंगी।

दिल्ली, हापुड़, लालकुआं की तरफ से वाहन आत्माराम स्टील प्लांट तिराहा से शहर की ओर न आकर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए निकलेंगे।

लोनी बॉर्डर से लोनी कस्बे की ओर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

बाजार भाव

सोना ₹ 74,806

चाँदी ₹ 92,280

आज का मौसम

तापमान °

ज्यादा 36°

कम 27°

हंसना जरूरी है!

पत्नी : जरा किचन से आलू लेते आना।
पति : यहां तो कहीं आलू दिख नहीं रहे हैं।
पत्नी: तुम तो हो ही अंधे, कामचोर हो। एक काम ढंग से नहीं कर सकते, मुझे पता था कि तुम्हें नहीं मिलेंगे, इसलिए मैं पहले ही ले आई थी!
अब आदमी की कोई गलती हो तो बताओ

राजस्थान: फर्जी आईपीएस का पदार्फाश, राजस्थान में की 20 लाख की ठगी

समाचार गेट/ब्यूरो

जालोर: राजस्थान के जालोर शहर में फर्जी पुलिस अधिकारी का पदाफांश हुआ है। फर्जी आईपीएस अधिकारी बनकर करीब बीस लाख रुपए हड़पने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के मुताबिक 11 जुलाई को सरकारी कर्मचारी प्यारी पत्नी अरविन्द विश्नोई खिलेरी ने भीनमाल थाने में एक रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

इस रिपोर्ट में बताया गया था कि उसकी फेसबुक पर जून 2022 को सचिन अतुलकर आईपीएस नाम के व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। इसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। इसके बाद सचिन अतुलकर नामक व्यक्ति से नियमित रूप से फेसबुक व वॉट्सअप पर चैटिंग होती रहती थी। फोन पर भी बात होती रहती थी। इसी तरह उसके पति के फेसबुक, वॉट्सअप चैटिंग और फोन पर बात होती रहती थी। इसी बातचीत के दौरान उसने अपनी निजी आवश्यकता बताकर रुपयों की मांग कर सरकारी सेवा आईपीएस में होने का विश्वास दिलाकर फोन पे और ई-मित्र के जरिए 19 लाख 20 हजार रुपए मंगवा लिए।

इसके बाद जब कुछ दिनों में पैसे नहीं दिए तो पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि प्रकरण को गंभीरता से लेकर उक्त घटना में लिप्त आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए टीम बनाई गठित पुलिस टीम द्वारा प्रकरण में तकनीकी और बैंक रिकॉर्ड से मुख्य अभियुक्त के संबन्ध में आवश्यक सूचना प्राप्त कर अभियुक्त उमरावखान को सूरत (गुजरात) से डिटेन किया गया। पूछताछ की गई तो उपरोक्त अभियुक्त की ओर से अपना अपराध स्वीकार कर लिया गया।

हरियाणा में 465 सब इंस्पेक्टर की नौकरी पर लटकी तलवार

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा में 465 सब इंस्पेक्टरों (एसआई) की नौकरियों पर अब तलवार लटक गई है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने इस मामले में शुक्रवार को हरियाणा सरकार और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सरकार के खिलाफ शिकायत है कि 400 पुरुष और 65 महिला एसआई की नियुक्ति का परिणाम सामाजिक और आर्थिक आधार पर अंकों का लाभ देकर जारी किया और इन्हें नियुक्ति दी गई। सरकार के इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। भर्ती के खिलाफ याचिका दायर करने वाले प्रदीप प्रिंस शर्मा और अन्य ने हाईकोर्ट को बताया है कि हरियाणा में 400 पुरुष व 65 महिला सब-इंस्पेक्टरों के पदों के लिए 2021 में आवेदन मांगे थे। याचिकाकर्ता नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल हुए और उन्हें दस्तावेजों की जांच के लिए भी बुलाया गया, लेकिन अंतिम सिलेक्शन लिस्ट में उनका नाम नहीं था। याचिकाकर्ता का कहना था लिखित परीक्षा में उनसे कम अंक पाने वालों को बोनस अंकों के लाभ के कारण चयन सूची में स्थान मिल गया। उन्हें नियुक्ति भी दे दी गई। इन अतिरिक्त अंकों का लाभ एक प्रकार से आरक्षण है।

इंदिरा साहनी मामले में सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि हाल ही में उएळ के तहत हो रही ग्रुप-उ व ऊकी भर्तियों में भी हाईकोर्ट इन अंकों के लाभ को असंवैधानिक करार दे चुका है। यदि इन अंकों को हटा कर मेरिट लिस्ट जारी की जाती है तो याचिकाकर्ता का नाम भी लिस्ट में आ सकता है।

याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से अपील की है कि भर्ती के परिणाम को रद्द किया जाए और बिना इन अंकों का लाभ दिए, नए सिरे से लिस्ट तैयार की जाए। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद याचिका पर हरियाणा सरकार व अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

फरीदाबाद-गुरुग्राम में बनेगा देश का सबसे बड़ा वेस्ट टु चारकोल प्लांट

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद की आयुक्त ए मोना श्रीनिवास और गुरुग्राम के कमिश्नर नरहरि सिंह बांगड़ और एनवीवीएनएल की ओर से सीईओ रेनू नारंग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि गुरुग्राम के बंधवाड़ी में और फरीदाबाद के मोठूका में लगभग 500-500 करोड़ रुपये की लागत से हरित कोयला प्लांट स्थापित किए जाएंगे। दोनों प्लांटों में रोज 1500-1500 टन कचरे को चारकोल में बदला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इन दोनों प्लांटों के लिए गुरुग्राम और फरीदाबाद नगर निगम 20-20 एकड़ जमीन देंगी। एनटीपीसी जल्द ही जमीनों पर कब्जा लेकर प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। यह काम 30 महीने में पूरा होने की संभावना है। ये दोनों प्लांट पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बनेंगे। सीएम ने कहा कि इससे दोनों शहर कचरा मुक्त बनेंगे। भविष्य में शहरों में कचरे के ढेर से भी मुक्ति मिलेगी। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त व सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि बढ़ते शहरीकरण के दौर में लगातार कचरे का भी बढ़ता जा रहा है, जिसका निस्तारण बड़ी चुनौती बन रहा है।शहर को कूड़े के ढेर से निजात मिल सकती है, क्योंकि यहां देश का सबसे बड़ा वेस्ट टु चारकोल प्लांट लगने जा रहा है।

कांग्रेस विधायक राव दान सिंह के ठिकानों पर ED की रेड

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम: महेंद्रगढ़ सीट से कांग्रेस पार्टी के विधायक राव दानसिंह, उनके बेटे, सहयोगी कंपनियों के दिल्ली, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़ और जमशेदपुर में 16 जगहों पर ईडी की रेड की कार्रवाई पूरी हो गई। गुरुवार 18 जुलाई की सुबह से शुरू हुई रेड शुक्रवार शाम को पूरी हो गई। रेड के दौरान ईडी की जांच में पाया गया कि इन कंपनियों और लोगों ने अपने खातों और बुकों में हेराफेरी की है। इन लोगों और कंपनियों से जुड़े परिसरों से ईडी टीम ने 1.42 करोड़ रुपये कैश, कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज, अघोषित 32 फ्लैट और जमीनें, कई लॉकर, ट्रस्ट आदि की पहचान कर उन्हें जब्त किया गया। इनमें विधायक राव दान सिंह के बेटे अक्षत सिंह की कंपनियां भी शामिल हैं।सीबीआई की ओर से दर्ज मामले में अपनी जांच करते हुए ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत मैसर्स एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड (एएसएल), प्रमोटर गौरव अग्रवाल, मोहेंदर अग्रवाल और संबंधित लोगों महेंद्रगढ़ से कांग्रेस विधायक राव दान सिंह, उनके बेटे अक्षत सिंह और उनकी संस्थाएं, मैसर्स सनसिटी प्रॉजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के ठिकानों पर रेड की कार्रवाई की। आरोप है कि इन लोगों और संस्थाओं ने धन की हेराफेरी और उसे डायवर्ट करना, आपराधिक गबन, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी करके केनरा बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह को 1392.86 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाया है।बैंक से लिए गए रुपयों को असुरक्षित कर्ज के रूप में दूसरी कंपनियों में ले जाया गया। फर्जी लेन-देन किया गया। इस रुपये का जमीन आदि खरीदने में लॉन्ग टर्म निवेश किया गया। राव दान सिंह व उनके परिवार ने एएसएल कंपनी से कर्ज लिया, लेकिन उसे फिर वापस नहीं किया गया। इस कार्यप्रणाली में बैंकों से लिए गए धन को असुरक्षित लोन और अग्रिम के रूप में अन्य कंपनियों में भेजा गया। अपने विभिन्न देनदारों के लोन को बट्टे खाते में डालना, फर्जी लेन-देन आदि शामिल थे।

संसद का बजट सत्र आज से, आर्थिक सर्वे पेश करेंगी वित्त मंत्री: निर्मला सीतारमण

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू हो रहा है। बजट सत्र के पहले दिन संसद में आर्थिक सर्वे पेश किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तरफ से आर्थिक सर्वे सदन के पटल पर रखा जाएगा। इसके एक दिन बाद 23 जुलाई को आम बजट पेश होगा। निर्मला सीतारमण रिकॉर्ड सातवीं बार केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

संसदीय कार्य मंत्रालय के किरेन रिजिजू ने कहा कि भारत का आर्थिक सर्वेक्षण सोमवार 22 जुलाई, 2024 को संसद के सदनों के पटल पर रखा जाएगा। 2024 के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर का बजट भी 23 जुलाई, 2024 को पेश किया जाएगा। इस सत्र के दौरान विधायी कार्य के 6 और वित्तीय कार्य के 3 मदों की पहचान की गई है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 लोकसभा में दोपहर 1 बजे पेश किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 2 बजे इसे राज्यसभा में पेश किया जाएगा। इसके बाद, दोपहर 02.30 नेशनल मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी। इसमें केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन आर्थिक सर्वे तैयार करने वाली अपनी टीम सहित मौजूद रहेंगे।

यह बजट-पूर्व दस्तावेज अर्थव्यवस्था की स्थिति और 2023-24 (अप्रैल-मार्च) के विभिन्न संकेतकों और चालू वर्ष के लिए कुछ दृष्टिकोण प्रदान करता है। आर्थिक सर्वे दस्तावेज मंगलवार को पेश किए जाने वाले 2024-25 के वास्तविक बजट के बारे में भी कुछ जानकारी दे सकता है। कथित तौर पर पहला आर्थिक सर्वेक्षण 1950-51 में अस्तित्व में आया था। पहले यह बजट दस्तावेजों का एक हिस्सा हुआ करता था। 1960 के दशक में इसे बजट दस्तावेजों से अलग कर दिया गया। उसके बाद से इसे केंद्रीय बजट से एक दिन पहले पेश किए जाने की परंपरा है।

आगामी बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार की नई में तीसरा कार्यकाल हासिल करने के बाद पहली बड़ी नीतिगत घोषणा होगी। बजट में देश में बेरोजगारी और अन्य मौजूदा समस्याओं से निपटने के लिए कई उपाय किए जाने की संभावना है।

आर्थिक सर्वे वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग द्वारा तैयार किया जाता है। इसे मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में तैयार किया जाता है।

ब्रज मंडल यात्रा: नूंह में इंटरनेट-एसएमएस सेवा 24 घंटे के लिए बंद

समाचार गेट/ब्यूरो

नूंह। हरियाणा सरकार ने रविवार को ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा से पहले नूंह जिले में मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं को 24 घंटे के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है। जो कि पिछले साल हिंसा से प्रभावित हुई थी। हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अनुराग रस्तोगी के आदेश के अनुसार, जिले में इंटरनेट सेवा रविवार शाम 6 बजे से सोमवार शाम 6 बजे तक निलंबित रहेगी। आदेश में कहा गया है कि नूंह जिले में तनाव, विवाद, आंदोलन, सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सार्वजनिक शांति और सौहार्द बिगाड़ने की आशंका है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे कि व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर आदि के माध्यम से गलत सूचना और अफवाहों के प्रसार को रोकने के लिए निलंबन आदेश दिया गया है। इस बीच नूंह पुलिस ने कहा कि यात्रा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। पिछले वर्ष की घटना को देखते हुए इस बार हर हरकत पर प्रशासन की पैनी नजर है। साउथ रेंज आईजी राजेंद्र कुमार पूरे दलबल के साथ उन मंदिरों का दौरा करने पहुंचे ,जहां श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक किया जाना है। इसके साथ ही मंदिरों में सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उनके साथ पलवल के पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन भी साथ रहे। आईजी ने सबसे पहले नलहड़ के महादेव मंदिर का दौरा कर वहां वहां पूजा-अर्चना की। इसके बाद उनका काफिला फिरोजपुर झिरका स्थित पांडव कालीन शिव मंदिर पहुंचा और अंत में श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर सिंगार में पहुंचकर गांव के सरपंच और सामाजिक लोगों के साथ बैठक कर यात्रा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।नूंह पुलिस की यात्रा को लेकर पुलिस पूरी तैयारी है। 22 जुलाई को जलाभिषेक यात्रा सबसे पहले नूंह के नलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी,जहां से फिरोजपुर झिरका स्थित पांडव कालीन शिव मंदिर और अंत में श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर सिंगार में पहुंचकर यात्रा का समापन होगा। पुलिस के मुताबिक बृजमंडल यात्रा की विडियोग्राफी होगी। ड्रोन कैमरे से यात्रा पर पूरी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि यात्रा में आने वाले लोग हथियार व लाठी डंडे व तेज म्यूजिक सिस्टम नहीं बजा सकेंगे। पिछले वर्ष की घटना को देखते हुए इस बार सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल तैनात किया जाएगा। इस बार पहाड़ पर भी पुलिस के जवान तैनात होंगे नूंह में सोमवार को निकलने वाली बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा में हथीन क्षेत्र से 500 से अधिक लोग हिस्सा लेंगे। इसकी तैयारियों के लिए हिंदू संगठनों की बैठक लालदास मंदिर में हुई। इसमें फैसला लिया गया कि 30 छोटे वाहनों और दो बड़ी बसों से हथीन के श्रद्धालु नूंह के धर्म स्थलों के लिए रवाना होंगे।

गुटबाजी और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी कांग्रेस, जनता का भला नहीं कर सकती: डा. सतीश पूनिया

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने नूंह में कहा कि हुड्डा और सैलजा के आपसी विवाद तथा भ्रष्टाचार के मामलों में घिरी कांग्रेस हरियाणा की जनता का भला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि बिखरी हुई कांग्रेस सत्ता पाने का ख्वाब देख रही है, लेकिन कांग्रेस के ख्वाबों को भाजपा के कार्यकर्ता प्रदेश की जनता के साथ मिलकर धूल धूसरित कर देंगे। डा. पूनिया रविवार को नूंह स्थित भाजपा कार्यालय हाजीझिर कमलहृह में आयोजित जिला विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक में बोल रहे थे। पूनिया ने कार्यकर्ताओं के सामने दावा किया कि इस बार भी प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी जाति, पंथ और मजहब के आधार पर टिकट वितरण नहीं करती, बल्कि जीतने वाले प्रत्याशी को ही टिकट देकर जनसेवा का मौका देती है। विस्तारित जिला कार्यकारिणी में जिला प्रभारी समय सिंह भाटी, जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी जाकिर हुसैन ने प्रदेश प्रभारी डा. पूनिया का जोरदार और भव्य स्वागत किया।

कार्यकारिणी के बाद मीडिया से डा. पूनिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सभी सीटें जीतने का ख्वाब पाल रही थी, लेकिन जनता और कार्यकताओं की मेहनत ने कांग्रेस के ख्वाबों को धराशाही किया। भाजपा के कार्यकताओं ने कांग्रेस को रोका और विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ कर देगी।

डा. पूनिया ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 40 सीटों पर विजयी रही, लेकिन लोकसभा के चुनाव में हम 44 सीटों पर आगे रहे हैं, चार सीटों का इजाफा हुआ है। दस वर्षों में केंद्र की मोदी और हरियाणा की डबल इंजन सरकार ने हरियाणा में बुनियादी विकास किया है। नायब सैनी ने मुख्यमंत्री का पद संभालते ही जनहित में बहुत ही अहम फैसले लिए हैं और आने वाले समय में भी और फैसले लेंगी जो जनता के हित में होंगे।

डा. पूनिया ने कहा कि मेवात हो, दक्षिणी हरियाणा या फिर जीटी रोड बैल्ट पार्टी का संगठन धरातल पर काफी मजबूत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 22 जिलों में कार्यकारिणी की बैठकें हो चुकी हैं, आज नूंह में आखिरी बैठक थी। इसके बाद पार्टी के जिला, विधानसभा, मंडल और बूथ स्तर पर भी कार्यक्रम होंगे।

भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि विधानसभा चुनाव में मेवात से लेकर अंबाला तक इस बार भाजपा के पक्ष में अच्छा परिणाम आएगा और तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। डा. पूनिया ने कहा कि आने वाले समय में सरकार की और भी जन कल्याणकारी घोषणाएं होंगी और पार्टी भी अपनी रणनीति का खुलासा करेगी। पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा तीसरी बार सत्ता में अपने काम-काज के आधार पर स्पष्ट बहुमत के साथ वापसी करेगी। कांग्रेस बिखरी हुई पार्टी है तथा आने वाले समय में और बिखरेगी। टिकट वितरण पर पूछे गए सवाल पर श्री पूनिया ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं, कार्यकताओं की राय और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए चुनाव जीतने वाले कार्यकर्ता को ही टिकट दी जाएगी।

कार्यकारिणी की बैठक में जिला के प्रभारी समय सिंह भाटी, जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल, वक्फ बोर्ड के प्रशासक व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौ० जाकिर हुसैन, जिला प्रमुख जान मोहम्मद, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार गर्ग, ममता राजपूत, अंजू बाला, डा. सुरेश बघेल, वीरपाल कालियाका, डॉ. ओमबीर, जिला महामंत्री पाल शर्मा, शिव कुमार आर्य, पूर्व डिप्टी स्पीकर चौधरी आजाद मोहम्मद, पूर्व विधायक व प्रदेश सचिव नसीम अहमद, वरिष्ठ भाजपा नेता भानीराम मंगला, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुरेन्द्र पिंटू, रमेश मानुवास, चेयरमैन जाहिद हुसैन बाई, नगर पालिका फिरोजपुर झिरका के चेयरमैन मनीष जैन, पूर्व चेयरमैन हाजी औरंगजेब, वीरपाल कालियाका, हेमराज शर्मा, मुकेश कुमार, जिला सचिव महावीर सैनी, सलीम सरपंच लुहिंगा, शाफिक हुसैन आदि के अलावा सभी मंडल अध्यक्ष सहित सैंकडों भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

भतीजे ने लालच मैं किया चाचा का मर्डर

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल । लालच के चलते भतीजे ने ही अपने साथी के साथ मिलकर की थी हत्या, मामले में एंटीटी हथीन एवं चौकी मंडकोला पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में पुलिस ने दोनों आरोपी धरे।पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसपी पलवल श्री चंद्र मोहन आईपीएस के कुशल नेतृत्व में जिला पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच हथीन एवं थाना हथीन अंतर्गत चौकी मंडकोला पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में पुलिस ने गांव मंडकोला में हुए वृद्ध ब्लाईड मर्डर केस का 24 घंटे के अंदर ही पदार्फाश करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

हथीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर छत्रपाल के अनुसार दिनांक गत दिनांक 20 जुलाई 2024 को मिंडकोला गांव निवासी शिवचरण ने दी शिकायत में कहा की उसका भाई हेतलाल रात को खेतों पर बने कोठरा पर सोता था। शुक्रवार को भी रोजाना की तरह हेतलाल सोने के लिए खेतों पर गया था। लेकिन शनिवार सुबह उन्हें एक युवक ने सूचना दी कि हेतलाल की मौत हो गई और उसका शव खेतों पर ही पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही शिवचरण अपने परिजनों के साथ खेतों पर पहुंचा तो हेतलाल के सिर व अन्य जगहों पर चोटों के निशान थे। घटना की सूचना मिंडकोला चौकी पुलिस को दी, सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अनिल कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल पलवल भिजवा दिया। पुलिस ने इस संबंध में शिवचरण की शिकायत पर अज्ञात हत्यारोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप जाँच शुरू की। मौके से साक्ष्य जुटाए गए।

प्रभारी थाना ने आगे बतलाया की मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी महोदय के कुशल निर्देशन में एंटीटी हथीन प्रभारी उप निरीक्षक दीपक गुलिया एवं मंडकोला चौकी प्रभारी एएसआई अनिल कुमार टीम के ज्वाइंट ऑपरेशन में पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही हत्या वारदात का पदार्फाश करते हुए वारदात को अंजाम देने वाले मंडकोला निवासी मृतक के भतीजे डिगंबर उर्फ डिग्गु पुत्र शिवराम एवं सह आरोपी रवि पुत्र विस्सू दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

इस तरह हुआ खुलासा- विवेचना में पाया कि मृतक अविवाहित था और उसने अपने हिस्से की आई जमीन को हाल ही में बेचा था। लालच में आकर रुपए हड़पने की मंशा से आरोपी डिगंबर उर्फ डिग्गु ने अपने अन्य साथी रवि के साथ मिलकर लोहे की रोड(सब्बल/गेदारा) से सिर पर वार कर मृतक को मौत के घाट उतार फरार हो गया जिससे पुलिस की शक की सुई आरोपी की तरफ घूमी और उसे काबु करते ही हत्याकांड का पदार्फाश हो गया । आरोपीयों को वारदात में प्रयुक्त स्कूटी एवं लोहा रोड(सब्बल/गेदारा) बरामद करने हेतु आज पेश अदालत कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। आरोपियों से गहनता से पुछताछ जारी है।

विधायक दीपक मंगला ने 02 करोड़ 36 लाख रुपए की धनराशि के विकास कार्यों के किए शिलान्यास और उद्घाटन

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल । विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक मंगला ने रविवार को पलवल विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2 करोड़ 36 लाख 18 हजार रुपए की धनराशि के विकास कार्यों के शिलान्यास और उद्घाटन किए। इस दौरान विधायक दीपक मंगला का जगह-जगह ग्रामीणों ने फूल मलाएं डालकर जोरदार स्वागत किया।

विधायक दीपक मंगला ने पलवल विधानसभा क्षेत्र के गांव चोड़ी में 60 लाख 62 हजार रुपए की लागत से गांव चोड़ी से गांव वलई तक के रास्ते, गांव रहीमपुर में 23 लाख 69 हजार रुपए की लागत से अलीगढ़ रोड से नत्थू के खेत तक के रास्ते और गांव बडोली में 10 लाख 97 हजार रुपए की लागत से रामजीलाल स्कूल से टीकाराम के खेत तक के रास्ते पक्के करने के निमार्ण कार्यों के शिलान्यास किए। इनके अलावा गांव रायपुर में 12 लाख रुपये की लागत से जनरल चौपाल और 24 लाख रुपए की लागत से बनाई गई बघेल चौपाल के उद्घाटन किए। वहीं रायपुर गांव में ही 29 लाख रुपए की लागत से बनाए गए रतिराम नंबरदार वाले रास्ते का उद्घाटन किया।

इस दौरान विधायक दीपक मंगला ने कहा कि इन सभी मार्गों के निर्माण से निश्चित तौर पर यहां के लोगों को लाभ मिलेगा। यह लोगों की पुरानी मांग थी। इससे लोगों को आने-जाने में होने वाली परेशानी से निश्चित तौर पर निजात मिलेगी।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि गांव रायपुर में जनरल चौपाल और बघेल चौपाल बनने से यहां के लोगों को सामाजिक और धार्मिक कार्य करने में काफी सुविधा मिलेगी। वहीं गांव रायपुर में ही रतिराम नंबरदार वाले रास्ते का निर्माण कार्य करवाकर यहां के लोगों को समर्पित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पलवल विधानसभा क्षेत्र में मार्गों के सहढ़ीकरण के कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं, ताकि लोगों का आवागमन सुगम बने। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन व केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के नेतृत्व में पलवल का चहुमुखी विकास करवाया जा रहा है। इन विकास कार्यों को पूरा करवाने में धनराशि की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। सभी विकास कार्य तीव्र गति के साथ पूर्ण करवाए जाएंगे। इस अवसर पर भगत सिंह घुघेरा, यशपाल कामराकली सहित गांव के सरपंच और गणमान्य जन मौजूद रहे।

कम्प्यूटर ऑपरेटरों की हड़ताल से आम जनता का काम हो रहा है प्रभावित, नहीं हो रहा कोई समाधान

समाचार गेट /हरिओम भारद्वाज

होडल। पिछले एक सप्ताह से एकल खिड़की परिसरों में काम कर रहे कंप्यूटर आपरेटर हड़ताल पर चल रहें हैं। जिससे उपमंडल के आम नागरिकों का कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रशासन और सरकार मामले को सुलझाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। कम्प्यूटर ऑपरेटरों की हड़ताल की वजह से सम्पत्ति की रजिस्ट्री, इंतकाल, ड्राइविंग लाइसेंस गाड़ियों की आर्सी सहित जनता के तमाम कार्य रुके हुए है ओर जनता बेहाल है लेकि लगता है सरकार को कोई मलाल नही है। हड़ताल के कारण सरकार को भी करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है और जनता के भी करोड़ों रुपए के ट्रांजैक्शन रुके हुए है कोई काम नहीं हो रहा है। उपमंडल के लोग लघु सचिवालय में स्थित एकल खिड़की परिसर में आने के बाद इंतजार कर लौट जाते हैं। लोगों की शिकायतों के बाद उपमंडल प्रशासन अधिकारी रणबीर सिंह लोहान ने एकल खिड़की कार्यालय का निरीक्षण किया तो उन्हें भी कार्यालय बंद मिला।सर्व कर्मचारी यूनियन के प्रधान नरेंद्र सिंह का कहना है क सरकार को पहल करके कंप्यूटर आपरेटर कर्मचारियों से बात करनी चाहिए। उनके समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। हड़ताल को समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए ताकि जनता को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अस्थाई भर्तीयों और हरियाणा कौशल रोजगार निगम के नाम पर सरकार युवाओं का शोषण कर रही है। जिन कार्यों के लिए सरकार कच्चे कर्मचारीयों को 15 हजार से 20 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय देती है उन्हीं कार्यों को पक्के कर्मचारी 70 से 80 हजार के महीने में करते है। उन्होंने कहा कि सरकार कच्चे कर्मचारीयो व कंप्यूटर ऑपरेटर को पक्का करके उनका शोषण बंद करें और उनकी सभी जायज मांगों को माने ताकि कर्मचारी वापस काम पर आए और जनता के रुके हुए काम पूरे हो सके।

पार्ट टाइम सफाई कर्मचारियों ने विधायक जगदीश नायर को सौंपा ज्ञापन

समाचार गेट /हरिओम भारद्वाज

होडल।हसनपुर खंड के पार्ट टाइम सफाई कर्मचारियों ने होडल विधायक जगदीश नायर को उनके निवास पर ज्ञापन सौंपा सफाई कर्मचारियों ने ज्ञापन पत्र के माध्यम से मांग की है की सरकार उन्हें स्थाई नौकरी दे और उनके साथ हो रहे दोगलेपन को समाप्त किया जाए होडल हसनपुर खंड के स्कूलों में तैनात पार्ट टाइम सफाई कर्मचारी एकत्र होकर होडल विधायक जगदीश नायर के निवास पर पहुंचे और विधायक से कहा की सफाई कर्मचारियों को पिछले दस माह से मानदेह नही मिला है सभी कर्मचारियों ने ज्ञापन पत्र के माध्यम से मांग की है की उन्हें सरकार समय पर मनदेह दे ताकि वह अपने बच्चो का पालन पोषण कर सके ज्ञापन पत्र में कर्मचारियों ने मांग रखी है की उनसे स्कूल में 3 घंटे की बजाए 6 घंटे स्कूल में काम लिया जाता है और वेतन 12 महीने के स्थान पर 10 महीने का वेतन दिया जाता है और वह भी 10 महीने से मिला नही है उन्होंने सरकार से मांग की है की सभी पार्ट टाइम सफाई कर्मचारियों को स्थाई रूप से नियुक्त किया जाए इस मौके पर इंद्रजीत ,अनिल,मेमबीर,सुरेश ,मुकेश ,रवि,विजेंद्र ,रामबीर ,वीरेंद्र ,देवेंद्र सहित सभी कर्मचारी मौजूद रहे

फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत कृषि यंत्रों पर किसानों को मिलेगा 50 प्रतिशत का अनुदानः उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। जिले की पुन्हाना विधानसभा सीट इन दिनों चचाओं में है। यहां विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस के नए चेहरे अब सामने आने लगे हैं। सोहना विधानसभा क्षेत्र से गांव रिठोज के रहने वाले कांग्रेस नेता संदीप खटाना ने रविवार को पुन्हाना में अपने कार्यालय पर प्रेसवार्ता करते पुन्हाना से विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी से पिछले 10 वर्षों से जुड़े हुए है। कांग्रेस पार्टी उन्हें पुन्हाना से चुनाव लड़ने के लिए खड़ा करती है तो चुनाव जरूर लड़ेंगे। इसके लिए पुन्हाना में काफी समय से सक्रिय है। उन्होंने कहा कि आज नूंह जिले का पुन्हाना विधानसभा क्षेत्र विकास से कोसों दूर है। सही मायने में पुन्हाना विधानसभा क्षेत्र का किसी ने विकास नहीं कराया। अब यहां की जनता को काम के विधायक की जरूरत है जो क्षेत्र की सभी समस्याओं का निदान करा सके। उन्होंने कहा कि मैं यहां नेता बनकर नहीं बल्कि सेवक बनकर जनता की सेवा करूंगा। पुन्हाना विधानसभा की जनता अब बदलाव चाहती है।

बता दें कि बीते दिनों नूंह में हुए कांग्रेस के सम्मेलन में पुन्हाना विधानसभा सीट को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान द्वारा दिए गए संकेत से स्थानीय कांग्रेस नेताओं में हलचल बढ़ गई है और स्थानीय नेताओं के अलावा बाहरी भी पुन्हाना से चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट गए है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान के बयान से यहां कांग्रेस के मौजूदा विधायक मोहम्मद इलियास में भी परेशान दिख रहे है। बीते दिनों ने उदयभान कहा था कि नूंह, फिरोजपुर झिरका सीट हमारी सेफ है जबकि पुन्हाना सीट पर कुछ संचय बना है। इसलिए पार्टी जिसे भी टिकट देगी उसका सभी साथ दे।

गुरु के बिना जीवन चरित्र का निर्माण सम्भव नहीं: रजत जैन

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। प्राचीन शिव मंदिर अस्थल पर गुरु पूर्णिमा के शुभावसर पर पौधारोपण किया गया ।

सर्व जाति सेवा समिति के उपाध्यक्ष रजत जैन ने कहा की प्रत्येक शुभावसर पर पौधारोपण अवश्य करना चाहिए और बच्चों की तरह उनकी परवरिश करनी चाहिए। रजत ने कहा की प्राचीन काल से ही गुरु शिष्य की परंपरा निरंतर चली आ रही है वर्तमान में भी इस आदर्श परंपरा का निर्वाह किया जा रहा है। गुरु का सदैव सच्चे हृदय से मान सम्मान व आदर सत्कार करना चाहिए। गुरु ही व्यक्ति के जीवन चरित्र का निर्माण करता है। रजत जैन ने कहा की व्यक्ति के जीवन में प्रथम गुरु मां होती है । गुरु के बिना जीवन की सार्थकता संभव नहीं है गुरु ही व्यक्ति को अच्छे बुरे का ज्ञान कराकर उसे अंधकार से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु की महिमा कबीर जी के इस दोहे के माध्यम से भी पता चलती है "गुरु गोविंद दाऊ खड़े,काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपनो,जिन गोविंद दियो बताय " गुरु ही सद्मार्ग दिखा कर परमात्मा से मिलन कराता है इसलिए गुरु की तुलना किसी से भी करना संभव ही नहीं असंभव है। इस अवसर रोहित शर्मा, योगेश सैनी, सोनी,लड्डू जैन,देव सोनी,पार्थ जैन आदित्य गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा के दौरान जमीन से आसमान तक रहेगी नूंह पुलिस की पैनी नजर

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्रजमंडल जलाभिषेक शोभा यात्रा को लेकर इस बार अभेद सुरक्षा का इंतजाम किया गया है । आसमान से जमीन तक पुलिस इस बार हर गतिविधियों पर नजर रख रही है । जमीन और आसमान ही नहीं बल्कि आधे आसमान की ऊंचाई तक अरावली पर्वत पर भी पुलिस, पैरामिलिट्री व कमांडो के जवान तैनात किए गए हैं तथा ड्रोन द्वारा अरावली पर्वत व आस-पास के स्थानों की निगरानी की जा रही है । इसके साथ ही मन्दिरों के साथ लगते अरावली पर्वत पर पुलिस द्वारा लगातार सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है । नूंह पुलिस द्वारा नूंह शहर, नलहरेश्वर मंदिर, अरावली पर्वत, बडकली चौक, झिरकेश्वर मंदिर सहित श्रृंगेश्वर मंदिर (सिंगार) व यात्रा समापन स्थलों तक की निगरानी की जा रही है । इतना ही नहीं डॉग स्क्वॉयड तथा घोड़ा पुलिस को भी तैनात किया गया है । इसमें अर्ध सैनिक बलों के जवान जिसमें सीआरपीएफ, आरएएफ सहित अन्य कई कंपनियां इस बार तैनात रहेंगी ।

खास बात यह है कि ब्रजमंडल जलाभिषेक शोभायात्रा नूंह में बाहरी राज्यों व जिलों से शामिल होने के लिए आने वाले लोगों की गाड़ियों की विडियोग्राफी की जाएगी तथा उनको पूरी तरह से चैक किया जाएगा ताकि किसी प्रकार की कोई विस्फोटक सामग्री, हथियार इत्यादि यात्रा तक ना पहुंच सके ।

आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए इलाके में पुलिस अधीक्षक नूंह की मौजूदगी में फ्लैगमार्च भी निकाल गया । इंटरनेट रहेगा बंद :- सुरक्षा की दृष्टि से ब्रजमंडल जलाभिषेक शोभायात्रा नूंह को लेकर प्रशासन द्वारा इंटरनेट सेवाएं बंद करने का फैसला लिया गया है । आज शाम 6 बजे से सोमवार शाम 6 बजे तक नूंह जिले में इंटरनेट सेवाओं पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी ।

रिटायर कर्मचारी संघ ब्लॉक होडल के सदस्यो ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को सौंपा ज्ञापन

समाचार गेट हरिओम भारद्वाज

होडल। रिटायर कर्मचारी संघ ब्लॉक होडल के सदस्यों ने उदय भान प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी हरियाणा को रिटायर कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा प्रधान गोविंद राम एवं देवेन्द्र नंबरदार रमन लाल कोषाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से रिटायर कर्मचारियों की मांग की है

की केश लेश मेडिकल सुविधा, मेडिकल भत्ता 3000 रुपये 65, 70,75, 80 साल की उम्र में 5,10,15 20 प्रतिशत हर साल 5 प्रतिशत की वृद्धि,एल टी सी सुविधा के बारे में पार्टी के रुख पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की क्योंकि चुनावी वादे किए जाते है और लागू करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है इस अवसर पर बच्चू सिंह भूरेंदर सिंह, लखन चिक्रम दरिया व देस पाल उदय वीर प्रधान नथोली आदि मौजूद थे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि बीजेपी कर्मचारी हितेशी नही है हरियाणा में हमारी सरकार बनते ही रिटायर कर्मचारियों की मांगों को लेकर पूरा मान सम्मान दिया जाएगा

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रचीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्णा शर्मा। सम्पादकीय कार्यालयः मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः ब्रह्मदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

विधायक राजेश नागर ने स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य से लिया आशीर्वाद

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। गुरु पूर्णिमा पर आशीर्वाद के लिए पहुंचे श्री सिद्धदाता आश्रम

फरीदाबाद। तिगांव के विधायक राजेश नागर ने आज श्री गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्री सिद्धदाता आश्रम में जगद्गुरु स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज से आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर नागर ने गुरुजी उत्तम सेहत और दीर्घायु की कामना की और अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि गुरु का हमारे हमारे जीवन में विशेष महत्व होता है। इसलिए हमें गुरु अवश्य ही बनाना चाहिए। नागर ने बताया कि यहां श्री सिद्धदाता आश्रम में आने वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखे जाते हैं। मेरे जीवन में भी अनेक अनुभव हैं। विधायक राजेश नागर ने कहा कि जगद्गुरु स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज बहुत सरल संत हैं और वह अपनी मुस्कुराहट से ही हमारे संकटों को हर लेते हैं। मैं जब भी यहां आता हूं मुझे असीम ऊर्जा प्राप्त होती है।

विधायक नागर ने बताया कि मानव जीवन की उन्नति के लिए अध्यात्म बहुत जरूरी है। इसके लिए एक आध्यात्मिक गुरु बनाया जाना जरूरी है। हमें गुरु के प्रति धन्यवादी रहना चाहिए। यह गुरु पूर्णिमा धन्यवाद करने का दिन है।

हरियाणा में कचरे के निस्तारण की दिशा में अहम कदम, राज्य में स्थापित होंगे वेस्ट-टू-चारकोल के दो प्लांट

वेस्ट-टू-ग्रीन कोल प्लांट स्थापित होने से न केवल कचरे की समस्या का स्थायी समाधान होगा, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी वृद्धि होगी- नायब सिंह सैनी

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा में कचरे के निस्तारण की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में कचरे से चारकोल बनाने वाले प्लांट स्थापित किए जाएंगे, जिन्हें ग्रीन कोल प्लांट भी कहा जाता है। यह परियोजना अपनी तरह की पहली हरित परियोजना होगी जिसे हरियाणा के फरीदाबाद और गुरुग्राम में स्थापित किया जाएगा।

इसके लिए आज यहां केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा की उपस्थिति में एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएनएल) तथा नगर निगम, गुरुग्राम और फरीदाबाद के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नगर निगम फरीदाबाद की आयुक्त मती ए मोना निवास तथा नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त नरहरि सिंह बांगड़ और एनवीवीएनएल की ओर से सीईओ मती रेनू नारंग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन हरियाणा के लिए बड़ा महत्वपूर्ण दिन है, जब ग्रीन चारकोल बनाने के लिए प्लांट हेतु एमओयू हुआ है। समझौते के अनुसार, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन), एनटीपीसी लिमिटेड की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत गुरुग्राम और फरीदाबाद में वेस्ट टू चारकोल प्लांट स्थापित करेगी।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में लगेंगे हरित कोयला प्लांट, 500-500 करोड़ रुपये की आएगी लागत

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम के बंधवाड़ी में तथा फरीदाबाद के मोठूका में लगभग 500 -500 करोड़ रुपए की लागत से हरित कोयला प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इन दोनों प्लांटों में गुरुग्राम और फरीदाबाद शहरों में एकत्रित 1500- 1500 टन प्रति दिन (टीपीडी) कचरे को चारकोल में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि इन दोनों प्लांटों के लिए गुरुग्राम और फरीदाबाद नगर निगमों द्वारा 20-20 एकड़ जमीन दी जाएगी और एनटीपीसी द्वारा जल्द ही जमीनों का कब्जा लेकर प्लांट स्थापित करने का कार्य आरंभ कर दिया जाएगा, जिनके लगभग 30 माह में पूरा होने की संभावना है। ये दोनों प्लांट पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित होंगे।

गुरुग्राम और फरीदाबाद शहरों में कचरे के ढेर से मिलेगी मुक्ति

नायब सिंह सैनी ने कहा इन संयंत्रों के स्थापित होने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को मूर्तरूप देने में बड़ी मदद मिलेगी, जिससे गुरुग्राम और फरीदाबाद शहर कचरा मुक्त बनेंगे।

भविष्य में शहरों में कचरे के ढेर से भी मुक्ति मिलेगी। गुरुग्राम व फरीदाबाद में वेस्ट-टू-ग्रीन कोल प्लांट स्थापित करने से न केवल कचरे की समस्या का स्थायी समाधान होगा, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी वृद्धि होगी। इस टेरिफाइड चारकोल का उपयोग बिजली उत्पादन संयंत्रों में किया जाएगा, जिससे खनिज कोयले के उपयोग में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि हमारा यह प्रयास शहरी स्वच्छता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने और गुरुग्राम और फरीदाबाद में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में संयंत्रों के स्थापित होने से कचरा प्रबंधन को मिलेगी मजबूती- विकास गुप्ता

इससे पहले, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता ने परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ते शहरीकरण के दौर में लगातार कचरे का सृजन भी बढ़ता जा रहा है, जिससे शहरों में कचरे का निस्तारण एक बड़ी चुनौती बन रही है।

इसी समस्या के समाधान हेतु मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हमने इस दिशा में एनवीवीएन के साथ पहल की है। गुरुग्राम और फरीदाबाद में इन संयंत्रों के स्थापित होने से कचरे प्रबंधन को मजबूती मिलेगी।

हरियाणा में स्थापित होने वाले ये दोनों प्लांट भारत में सबसे बड़े होंगे- सीईओ रेनू नारंग

एनवीवीएनएल की सीईओ मती रेनू नारंग ने वेस्ट-टू-चारकोल प्लांट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में वाराणसी में एनटीपीसी द्वारा 600 टन प्रतिदिन कचरे से वेस्ट-टू-चारकोल बनाने का प्लांट संचालित किया जा रहा है।

हालांकि, हरियाणा में स्थापित होने वाले ये दोनों प्लांट भारत में सबसे बड़े होंगे, जहां प्रतिदिन 1500-1500 टन कचरे से चारकोल बनाया जाएगा। इनकी सफलता के बाद अन्य शहरों में भी इस तकनीक को स्थापित करने का विचार है।

उल्लेखनीय है कि इस पहल का उद्देश्य कुशल अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना है, जिसमें बेहतर संग्रह, रीसाइक्लिंग और निपटान के तरीके शामिल हैं।

इस साझेदारी का केंद्र ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में शामिल हितधारकों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान करना व अधिकारियों और पेशेवरों को विशेषज्ञता और उपकरणों के साथ सशक्त बनाकर स्थानीय निवासियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ शहरी वातावरण बनाना है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमाशंकर, हरियाणा पॉवर जेनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मोहम्मद शाइन, नगर निगम फरीदाबाद की आयुक्त मती ए मोना निवास, नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त नरहरि सिंह बांगड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों के लिए वरदान है मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना: उपायुक्त विक्रम सिंह

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के अंतर्गत पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले परिवारों की लड़की की शादी के लिए 71 हजार रुपये तक शगुन के रूप में दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए लड़की की आयु 18 वर्ष या इससे अधिक व लड़के की आयु 21 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिए। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होता है।उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ लेने वाले परिवार को अपनी बेटी की शादी के छह महीने पूरे होने से पहले ऑनलाइन पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण करने बाद ही विवाहिता के माता-पिता को योजना का अनुदान दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित एवं विमुक्त जाति के परिवार का नाम बीपीएल सूची में है तो उसको कन्या विवाह शगुन योजना के तहत 71,000/- हजार रुपए का लाभ दिया जाएगा। सभी वर्गों की विधवाओं, बेसहारा महिला, अनाथ बच्चे, बीपीएल सूची में है या उनकी आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है तो उनको इस योजना में 51000/-हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा।उपायुक्त ने बताया कि सभी वर्गों के परिवार (सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग) जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है, उनको 41,000/- हजार रुपए का अनुदान दिया जाता है। यदि नव विवाहित दम्पति दोनों ही विकलांग हैं तो उन्हें 51,000/- हजार रुपए और नव विवाहित दम्पति में से एक पति/पत्नी विकलांग है तो उसको 41,000/- हजार रुपए की राशि दी जाती है।

आमजन की सभी मूलभूत सुविधाओं को पूरा करना मेरा एकमात्र लक्ष्य: मूलचंद शर्मा

समाचार गेट/पूजा गोयल

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, श्रम, खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले तथा निर्वाचन मंत्री मूलचंद शर्मा ने आज रविवार को बल्लभगढ़ विधानसभा के दौरे पर करीब 3 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों की आधारशिला रख कर बड़ी सौगात सौगात दी।कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने आज बल्लभगढ़ विधानसभा में गांव मुजेसर वार्ड नंबर- 02 में बाबा हृदयराम मंदिर पर राम तालाब का सौन्दर्यीकरण, गौशाला शेड, राधा टीला एवं सत्संग भवन का शिलान्यास किया। इसके उपरांत सेक्टर 22 और 23 स्थित शिव कालोनी और मुजेसर गांव में एक दर्जन से ज्यादा गलियों में कंक्रीट और आरएमसी से बनने वाली सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ के विकास में कोई कमी नही रहने दी जाएगी। आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर अपने विधानसभा के लोगों को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में विकास कार्यों की सौगात दी है और यह सभी विकास कार्य जल्द ही पूरे किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गौशाला शेड और गलियों का निर्माण कार्य आज से ही शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कहा कि उन्होंने जो वादे जनता से किए हैं। वह उन सभी वादों को पूरा करने में लगे है। आमजन की मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार हमेशा तत्पर है। आमजन की सभी मूलभूत सुविधाओं को पूरा करना मेरा एकमात्र लक्ष्य है इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम मुहीम के तहत पोधा रोपण भी किया। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान का मुख्य उद्देश्य हमारे वातावरण को स्वच्छ व शुद्ध रखना है तथा प्रकृति के प्रति सकारात्मक रवैये को लेकर लोगों को जागरूक किया जाना है ताकि बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण अशुद्ध होते वातावरण से आने वाली पीढ़ी के लिए इसे अनुकूल बनाया जा सके। यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक चेतना को जगाने की कोशिश है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ पौधों का अहम योगदान होता है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हम सभी को मिलकर अपनी मां के नाम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण भी अवश्य करना है। जिस तरह मां अपने बच्चों की परवरिश करती है उसी तरह से हमारा दायित्व है कि हम अपनी मां की याद में लगाए गए पौधे के संरक्षण करने का संकल्प भी ले।इस मौके पर भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, सुभाष लांबा, रणबीर पहलवान, रामवीर एडवोकेट, अनुराग गर्ग, दीपांशु अरोड़ा, ज्ञानेंद्र भारद्वाज, देवेंद्र गोदारा, संजय मैरोडिया, नगर निगम के एक्सईएन ओपी कदम, एसडीओ अमित चौधरी, चेतना पांडे सहित गांव और कॉलोनी के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सिविल प्रोफेसर रोहित ने किया एनआईटी क्षेत्र का नाम रोशन: विधायक नीरज शर्मा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फरीदाबाद। बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में रोहित भाई ने एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता है और एक नया मुकाम हमारे पूरे क्षेत्र को दिया है मैं परमपिता परमेश्वर से यही प्रार्थना करता हूं कि भाई इसी प्रकार अपने जीवन काल में प्रगति करें, खूब उन्नति करे और हमारे क्षेत्र का नाम सदैव ऊंचा करें। यह बात विधायक नीरज शर्मा ने कहे।

राजा जैतसिंह राजकीय पॉलिटेक्निक नीमका में सीनियर लेक्चरर सिविल विभाग पद पर तैनात रोहित (जयदत) ने दिल्ली नेशनल कप नेचुरल बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में किया गया था। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रदेशों के 400 के करीब खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में रोहित ने दो श्रेणियों में दो पदक एक रजत व एक कांस्य पदक जीत कर फरीदाबाद का नाम रोशन किया है। रोहित इस प्रतियोगिता में इससे पहले चैन्नई व गोवा प्रतियोगिता में भी भाग ले चुका है। उन्होंने बताया कि कडी मेहनत और लगन से कुछ भी प्राप्त किया जाता है। उनका कहना है कि उन्होंने प्राकृतिक तरीके से कड़ी मेहनत करके शरीर को बनाया है। उन्होंने बताया कि वे पिछले लगभग आठ-दस साल से अपने शरीर को बनाने के लिए कडी मेहनत कर रहे थे। जिसका फल आज दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर दो पदक जीत कर हुआ। उन्होंने बताया कि हैल्दी डाइट व वेहतरीन प्रशिक्षक के मार्ग दर्शन में उन्हें यह सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि उनका आगे का लक्ष्य नेचुरल बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर क्षेत्र व देश का नाम रोशन करना है। रोहित का कहना है कि नौकरी लगने के बाद भी उनका इस खेल प्रति जनून बना रहा, इसके लिए वह घंटों तक सुबह-सायं कड़ी मेहनत करते है। उन्होंने बताया कि उन्होंने कभी भी सफलता प्राप्त करने के लिए शार्ट-कट तरीका नहीं अपनाया। रोहित का कहना है कि वे खुद भी रॉयल फिट हब जिम सेक्टर 55 में प्रमाणित फिटनेस ट्रेनर है। वहां पर दर्जनों बच्चों को इस खेल की बारिकियां बतलाते हैं। जिससे उनके जिम में प्रशिक्षण लेकर खिलाड़ी आगे राष्ट्रीय व अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें।

वंचित, शोषित एवं जरूरतमंद की सेवार्थ एवं समाज को समर्पित सेवा भारती के उत्कृष्ट कार्य

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुषांगिक संगठन सेवा भारती द्वारा सेवा कार्य दर्शन एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें सिलाई, कढ़ाई, रूप निखार प्रशिक्षण, कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार सामग्री प्रदर्शित की गयी। नर सेवा नारायण सेवा, समरस समाज समृद्ध समाज के भाव को चरितार्थ करते हुए सेवा भारती फरीदाबाद में विभिन्न स्थानों पर सिलाई-कढ़ाई केंद्र, रूप निखार प्रशिक्षण, कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र जैसे सेवा प्रकल्प संचालित करता है। संत नगर स्थित सिलाई केंद्र में आयोजित इस प्रदर्शनी को शिक्षिका कविता, बबीता और संयोगिता की देखरेख में शिक्षार्थियों द्वारा तैयार किया गया। जिसमें शिक्षार्थियों द्वारा तैयार किए गए वस्त्रों की सुंदर प्रदर्शनी में बालिकाओं की निपुणता एवं दक्षता के दर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के उपरांत सभी उपस्थित जनों ने शिक्षार्थियों के कौशल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।सेवा भारती द्वारा संचालित विभिन्न सेवा प्रकल्पसिलाई केंद्र, भारत कॉलोनी में विजय लक्ष्मी, साप्ताहिक सुंदरकांड हरी नगर में गोविंद नैनवाल, बाल संस्कार जगमाल एनक्लेव में प्रियंका मिश्रा, सिलाई केंद्र विनय नगर में ऋचा प्रकाश, बाल संस्कार सांय एवं प्रातः बसंतपुर में गीतांजलि, बाल संस्कार केंद्र संत नगर में संयोगिता, बाल संस्कार केंद्र संत नगर सरकारी स्कूल संयोगिता, बाल संस्कार केंद्र संत नगर सरकारी स्कूल बबीता, रूप निखार केंद्र संत नगर बबीता, सिलाई केंद्र से नगर शिक्षिका कविता के देखरेख में संचालित होते हैं। उपरोक्त सभी केंद्र पर सेवा भारती द्वारा शहर की स्लम बस्ती, कॉलोनी में विभिन्न स्थानों पर प्रातः एवं सायंकालीन सिलाई-कढ़ाई, रूप निखार प्रशिक्षण, कंप्यूटर प्रशिक्षण, साप्ताहिक सुंदरकांड, बाल संस्कार संबंधित गतिविधियां संचालित की जाती हैं। जिसमें वंचित बालक-बालिकाएं उत्साहपूर्ण भागीदारी करती हैं। सेवा कार्य दर्शन एवं प्रदर्शनी आयोजन कार्यक्रम में सेवा भारती के विभाग सेवा प्रमुख शिव कुमार कटारिया, केंद्र पालक नवनीत छाबड़ा, महानगर प्रचार प्रमुख पंकज, सह महानगर प्रचार प्रमुख दीक्षांत, महानगर बौद्धिक प्रमुख विनोद, सेवा भारती से आत्माराम सहित समाज के गणमान्य प्रबुद्धजन, शिक्षक एवं शिक्षार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की कुल संख्या 118 रही।

ईडी और सीबीआई को हथियार बना विपक्ष की आवाज दबाना चाहते है अमित शाह: चौ. उदयभान

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष चौ. उदयभान ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि जहां-जहां चुनाव होने वाले हैं, वहां-वहां अमित शाह जाएंगे और उनके पीछे-पीछे ईडी और सीबीआई भी जाएगी। अमित शाह की मानसिकता साफ दर्शाती है कि वह विपक्ष की आवाज को दबाना चाहते है, लेकिन विपक्ष कतई दबने वाला नहीं है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस 70 से ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाने का काम करेगी। चौ. उदयभान रविवार को पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी लखन कुमार सिंगला द्वारा सेक्टर-11 में खोले गए फरीदाबाद विधानसभा 89 कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन करने के उपरांत उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर लखन कुमार सिंगला के नेतृत्व में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए चौ. उदयभान ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजाक बनकर रह गई है, रोज व्यापारियों से फिरौतियां मांगी जा रही है, हत्याएं हो रही है और सरकार कुंभकर्णीय नींद में सो रही है, आज आम आदमी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नए जोश का संचार हुआ है और प्रत्येक कार्यकर्ता जी जान से विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुट गया है। जनता भी अब इस सरकार को सत्ता से बेदखल करने का मन बना चुकी है। उदयभान ने स्पष्ट किया कि लोकसभा में हाफ और विधानसभा में भाजपा का पूरी तरह से सूपड़ा साफ करेंगे। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान का उद्घाटन समारोह में पधारने पर स्वागत करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र डूडसह हुड्डा और चौ. उदयभान के नेतृत्व में हरियाणा में कांग्रेस निरंतर मजबूत हो रही है। उन्होंने चौ. उदयभान जी को विश्वास दिलाया कि फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र का एक-एक कांग्रेस कार्यकर्ता हरियाणा में कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिए दिन-रात एक कर देगा और सरकार बनाने में कोई कसर बाकि नहीं छोड़ेगा। श्री सिंगला ने कहा कि आज उन्होंने फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र का कार्यालय सेक्टर-11 में खोला है, इस कार्यालय में आकर लोग अपनी समस्याएं रख सकते है और इन समस्याओं को दूर करवाने के लिए वह भरसक प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस का है और हरियाणा में चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने पर फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त सभी समस्याओं का जड़मूल से समाधान किया जाएगा। इस दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान ने मिस्ड कॉल कर लखन सिंगला से जुड़े के अभियान का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक रघुवीर तेवतिया, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप सिंह, कांग्रेसी नेता वासुदेव अरोड़ा, गोल्डी बेरेजा, विरेंद्र वशिष्ट, नीरज गुप्ता, कांग्रेस के जिला प्रभारी शैलेंद्र शर्मा, रमाकांत मिश्रा, पूर्व मेयर अतर सिंह भड़ाना, पूर्व वरिष्ठ उपमहापौर, मुकेश शर्मा, पूर्व उपमहापौर राजेंद्र भामला, रेनू चौहान, बालू सिंह एडवोकेट, गुलशन बगगा, अनिल कुमार नेताजी, निशाल पहलवान, राजेंद्र चपराना, राव महेंद्र, नीरज मिगलानी, सुनील गुलाटी, राहुल चौधरी, यशवंती मलिक सहित सेक्टर-4आर, सेक्टर-7,8,9,10,11 की रेजिडेंट वेलफेयर एसो., सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के अलावा व्यापारिक संगठनों के गणमान्य लोग मौजूद थे।

जनहित सेवा संस्था ने मलेरना स्कूल में किया पौधारोपण

पौधे धरती का आभूषण है: राजवंती

समाचार गेट/यश महलोनिया

फरीदाबाद। सामाजिक संस्था जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के सौजन्य से राजकीय माध्यमिक विद्यालय मलेरना के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष सन्तसिंह हुड्डा व सचिव देवीचरण वैष्णव, रोहित ने मुख्याध्यापिका राजवंती, अध्यापक कृष्ण कुमार, बलवीर, शिवेंद्र शास्त्री, नवीन, राकेश कुमार,संजय शर्मा,मनजीता रानी,मिंकल,वीरपाल,विशनी,मैना , सुनीता के साथ मिलकर चम्पा , चांदनी, कढ़ी पत्ता,बेलपत्थर, गुड़हल,नीम हारश्रिंगार के पौधे रोपे। इस अवसर पर स्कूल की मुख्याध्यापिका राजवंती ने कहा कि पौधा रोपण के साथ उनकी परवरिश करना भी बहुत जरुरी है। पौधे धरती का आभूषण है। संस्था के अध्यक्ष सन्तसिंह हुड्डा ने कहा कि पौधों के बगैर हमारा जीवन अधूरा है। सचिव देवीचरण वैष्णव ने कहा कि संस्था हर वर्ष पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए आपसी सहयोग से पौधारोपण कर उनकी परवरिश भी करती है। पौधारोपण कार्यक्रम में विद्यालय के सभी अध्यापकों व बच्चों एवं स्टाफ ने सहयोग कर परवरिश का संकल्प लिया।

एडिटर की कलम से....

पहचान का यक्ष प्रश्न

जिसे उत्तर प्रदेश के एक जिला प्रशासन का स्थानीय स्तर पर लिया गया फैसला माना जा रहा था, वह तेज होते विरोध के बीच न केवल पूरे राज्य में बल्कि पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के हरिद्वार में भी लागू कर दिया गया। इस आदेश के मुताबिक, कांवड़ यात्रा के पूरे रूट पर दुकान लगाने वाले तमाम लोगों के लिए अपनी पहचान सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।

नसवीर यादव
कार्यकारी संपादक

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने कांवड़ यात्रा के मद्देनजर अहम आदेश जारी किया। इसके मुताबिक, कांवड़ रूट में पड़ने वाली दुकानों, होटल, रेस्टोरेंट पर मालिकों को अपना नाम देना होगा। जैसे ही ये आदेश आया सियासी घमासान छिड़ गया। विपक्षी पार्टियों ने योगी सरकार के इस फैसले पर सवाल खड़े कर दिए, धार्मिक ध्रुवीकरण का आरोप लगाते हुए आलोचना की है। हालांकि, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश के कई बीजेपी पदाधिकारियों और सहयोगी दलों के नेताओं ने यूपी सरकार के उस निर्देश का समर्थन किया है।

मध्य प्रदेश में, बीजेपी विधायक रमेश मेंदोला ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर राज्य में भी इसी तरह की नीति लागू करने की वकालत की है। उनका कहना है कि इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा और सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा। मेंदोला ने लिखा है, 'किसी व्यक्ति का नाम उसकी पहचान होता है। नाम पूछना ग्राहक का अधिकार है और दुकानदार को अपना नाम बताते हुए गर्व होना चाहिए, न कि शर्मिंदा।'

मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मिथुन अहिरवार ने मेंदोला की मांग का विरोध करते हुए इसे 'नफरत की राजनीति' करार दिया है। इससे दलित खाद्य विक्रेताओं पर प्रभाव होगा, इस पर उन्होंने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अक्सर दलितों की ओर से बनाए गए खाने को लेकर पूर्वाग्रह से देखा जाता है। उन्होंने मिड-डे मील का उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार दलित महिलाओं की ओर से मिड-डे मील तैयार किए जाने पर बच्चों ने खाने से इनकार कर दिया था।

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इस निर्देश का समर्थन करते हुए विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आलोचना करने की बजाय विपक्ष को इसमें शामिल होना चाहिए और अपने पापों से खुद को मुक्त करना चाहिए। मौर्य ने कहा कि यह यात्रा करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं से जुड़ी है। उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं को 'तर्क और दूरदृष्टि' की कमी बताया।

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड सरकार से देवघर में श्रावण मेले के दौरान व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए नाम प्रदर्शन अनिवार्य करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह आदेश गैर-भेदभावपूर्ण और संवैधानिक रूप से सही है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो यह कानून पिछली अखिलेश यादव और मायावती सरकारों ने बनाया था। चूंकि बीजेपी देश के कानून का सम्मान करती है, इसलिए वह इसे लागू कर रही है। इसमें असंवैधानिक क्या है? यह आदेश सभी पर लागू होता है... हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई। क्या यह किसी जाति या धर्म के बीच अंतर करता है?

झारखंड कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बीजेपी पर लोगों को बांटने के लिए धार्मिक राजनीति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस-आरजेडी की गठबंधन सरकार बीजेपी के विपरीत समावेशिता में विश्वास करती है। उसे लोगों को यह बताना चाहिए कि वह धर्म का उपयोग करके राजनीति करने में क्यों विश्वास करती है?

आदेश पर असमंजसः इस आदेश को लेकर किस तरह का असमंजस फैला है, इसका अंदाजा बीजेपी के ही एक प्रमुख नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की प्रतिक्रिया से मिलता है। शुरू में इस आदेश के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुए उन्होंने कहा, ह्यकुछ अति उत्साही अधिकारियों के आदेश... छुआछूत की बीमारी को बढ़ावा दे सकते हैं।ह्ल

विरोध का उलटा असरः विरोध करने वालों में नकवी अकेले नहीं थे। विपक्षी दलों के अलावा एनडीए के सहयोगी दलों के नेताओं की ओर से भी इसके विरोध की आवाज उठी थी। माना जा रहा था कि विरोध के बाद जिला स्तर पर हुए इस फैसले को वापस ले लिया जाएगा। लेकिन कुछ घंटों के अंदर पूरे राज्य में इस आदेश को लागू करने का निर्णय घोषित हो गया। इसके बाद नकवी भी अपना रुख पलटते दिखे। उनका कहना था कि शुरू में उस फैसले ने कुछ कन्फ्यूजन फैलाया था, लेकिन अब सरकार ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया है। इस फैसले का विरोध करने की अब कोई वजह नहीं है।

आर्थिक बहिष्कार का खतराः विभिन्न राजनीतिक दलों के अंदर चाहे जैसा भी विचार मंथन हो रहा हो, यह आदेश आबादी के एक बड़े हिस्से में भ्रम और आशंका पैदा कर सकता है। एक समुदाय विशेष के मन में यह भाव गहरा हो सकता है कि सरकार धंधा-पानी करने के उसके अधिकार पर कुठाराघात करना चाहती है। चाहे जितने भी मासूम अंदाज में पेश किया जाए, पहचान बताने के इस आदेश का असर खास समुदाय के आर्थिक बहिष्कार के ही रूप में सामने आएगा। यह आशंका भी निराधार नहीं कि अलग पहचान वाले दुकानदारों पर कुछ असामाजिक और सांप्रदायिक तत्व कांवड़ियों के वेश में हमला कर दें, उनकी दुकानें लूटने लग जाएं।

आज का विचार

अगर लोग अच्छा लिख नहीं सकते, तो वे अच्छा सोच नहीं सकते और यदि वे अच्छा सोच नहीं सकते तो फिर उनके लिए सोचने का काम कोई और करता है।

- जॉर्ज ऑरवेल ..

इस चीज के बिना जीवन में नहीं मिल सकती सफलता और सम्मान

समाचार गेट/यश महलोनिया

नई दिल्ली। प्रेम क्या है? यह एक ऐसा प्रश्न है जिसके समाधान की खोज प्राचीन काल से चली आ रही है। हर युग में आए दार्शनिकों ने भी प्रेम के स्वरूप की व्याख्या करने के अनेक प्रयत्न किए हैं। ह्यप्रेमह्ल शब्द का प्रयोग हममें से अधिक लोग भिन्न-भिन्न संबंधों के प्रति अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए करते हैं। जैसे माता-पिता और बच्चे में प्यार होता है तो भाई-बहन और रिश्तेदारों का भी आपस में प्यार होता है। मित्रों में प्रेम होता है। देश के प्रति भी प्रेम होता है। बहुत बार हमें अपनी संपत्ति के साथ भी लगाव होता है। पालतू जानवरों से भी लोगों को स्नेह होता है। आमतौर पर जब प्रेम के बारे में विचार किया जाता है तो हम स्त्री-पुरुष के आपसी प्रेम के बारे में सोचते हैं।कई बार हम सारी मानवजाति और सृष्टि के प्रेम के बारे में भी बात करते हैं। मगर प्रेम के हर रूप में कुछ न कुछ गुण एक जैसे होते हैं। जैसे कि इस संसार की किसी वस्तु के प्रति प्रेम के मामले में उस वस्तु से मोह होता है। जिसे हम प्रेम करते हैं उसकी हमें बहुत आवश्यकता होती है। उसके लिए हम अपने दिल में गहरा लगाव रखते हैं और हमें यह डर लगा रहता है कि कहीं वह वस्तु हमसे खो न जाए। चाहे प्रेम अपने परिवार के प्रति हो या मित्रों के प्रति, चाहे प्रेमी के प्रति हो या अपने सामान और अपने देश के प्रति, उसमें प्रेम के ये गुण हमेशा मौजूद रहते हैं।संत-महापुरुष हमें समझाते हैं कि इस दुनिया का बाहरी प्रेम केवल कुछ समय के लिए ही रहता है। इसके विपरीत यदि हम सदा-सदा का प्रेम पाना चाहते हैं तो वह हमें केवल प्रभु से ही मिल सकता है। प्रभु के प्रति प्रेम को अनुभव करने के लिए हमें संपूर्ण सृष्टि के प्रति प्रेम को अपने अंदर जगाना होगा। हममें से अधिकतर लोग अपने परिवार और मित्रों के छोटे से दायरे के प्रति ही प्रेम रखते हैं। पर जैसे-जैसे हम आध्यात्मिक तौर पर प्रगति करते हैं तो हमारा हृदय विशाल होने लगता है और हम अपने समुदाय, समाज, देश और संपूर्ण भूमंडल के प्रति प्रेम का विकास करने लगते हैं। प्रेम की अंतिम अवस्था ब्रह्मांड की समस्त सृष्टि के लिए प्रेम होना है।हमें अपने परिवार और मित्रों से प्रेम होने पर जिस आनंद का अनुभव होता है उसका तो हमें अंदाजा है। यदि हम उस प्रेम को इतना फैला दें कि समस्त सृष्टि से हमें प्यार हो जाए तो हम स्वयं अंदाजा लगा सकते हैं कि तब हमारे हृदय में कितना अधिक प्रेम होगा। ऐसा प्रेम पवित्र और आध्यात्मिक होता है। ऐसा ही प्रेम प्रभु को अपनी सृष्टि से होता है क्योंकि प्रेम दिव्य, ईश्वरीय और एक आध्यात्मिक गुण है। दिव्य-प्रेम में आत्मा को अपने पालनकर्ता, परमात्मा में फिर से एकमेव होने की आध्यात्मिक लगन होती है।प्रभु सब आत्माओं के पिता है। जब वे आत्माएं इस संसार में एक जीवन से दूसरे जीवन में गुजरती हैं, तो प्रभु प्रत्येक आत्मा को याद करते हैं क्योंकि वह प्रत्येक आत्मा से प्रेम करते हैं और हरेक का ध्यान रखते हैं।

सुख पाना है तो बस इस नियम को लाइफ में अपना लीजिए

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। हमें दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा हम अपने लिए चाहते हैं। अच्छे कर्म और सकारात्मक व्यवहार से हमें जीवन में सुख और शांति मिलती है, जबकि नकारात्मक और बुरे कर्म से हमें दुःख और कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। एक सम्पन्न महिला और एक गरीब महिला की कहानी बचपन में सुनी थी, अमीर औरत पर यद्यपि पूर्व जन्म के कर्म अनुसार ईश्वर की कृपा थी, परन्तु इस जन्म में उसकी किसी की भी सहायता करने अथवा किसी को भी कुछ देने की नीयत नहीं थी। दूसरी ओर जो गरीब औरत थी, वह कभी भी धर्मार्थ के कार्य, दान आदि में संकोच नहीं करती थी।

एक बार की बात है, एक साधु बाबा को भिक्षा में अमीर स्त्री ने जली रोटी दी और गरीब स्त्री ने जैसी रोटी वह खाती थी वैसी रोटी दी। कुछ वर्ष बाद गांव में बाढ़ आ गई, अमीर और गरीब दोनों का घर डूबने लगा, इसलिए वे दोनों, पहाड़ी पर स्थित एक साधु बाबा के आश्रम में आश्रय के लिए पहुंची। साधु बाबा दोनों को अपने आश्रम में ठहराते हैं, लेकिन खाने में उनको वही देते हैं जो उन्होंने उनको दिया था और कहा, ह्यजो आप लोगों ने दिया वही आपको दे रहा हूँ।ह्ल यानी अमीर स्त्री को उसकी जली कटी रोटी और गरीब स्त्री को उसकी दी हुई रोटी मिली।

इस पर अमीर महिला ने साधु महात्मा को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा, ह्यआप असली साधु नहीं हैं, जो भेदभाव करते हैं।ह्ल इस पर साधु महात्मा ने बताया, ह्यबेटा! सृष्टि का नियम है कि प्यार बांटोगे तो प्यार पाओगे, दूसरों को सुख दोगे, तो सुख मिलेगा और दुःख दोगे तो तुम्हारी झोली में दुःख ही आएगा।ह्ल अगर आप दूसरों के साथ दया और प्रेम से पेश आते हैं, तो आपको भी दूसरों से दया और प्रेम मिलेगा। अगर आप दूसरों को दुख पहुंचाते हैं, तो किसी न किसी रूप में आपको भी दुख का सामना करना पड़ेगा।

यह सिद्धांत हमें सिखाता है कि हमें हमेशा सकारात्मक और नैतिक व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि हमारे कर्म और व्यवहार का प्रभाव हमारी ही जिंदगी पर पड़ता है। हम जो भी कार्य या भावनाएँ दूसरों के प्रति व्यक्त करते हैं, वही अन्ततः हमें वापस मिलती है। आपने अक्सर सुना होगा, ह्यजैसा बोएँगे, वैसा पाएँगे।ह्ल, ह्यजैसी करनी वैसी भरनी।ह्ल, इस प्रकार की सभी कहावत सत्य की कसौटी पर खरी उतरती हैं।

बच्चा चीजें फेंकने लगा है या लात मारता है, थेरेपिस्ट के पास जाने की है जरूरत

समाचार गेट/एजेंसी

यदि बच्चा दूसरों के साथ रोज आक्रामक व्यवहार करता है जैसे कि काटता है, धक्का मारता है या मुक्का मार देता है, तो आपको इसे इग्नोर नहीं करना चाहिए।

नई दिल्ली। आमतौर पर हर बच्चे नखरे दिखाता है जिसे हम टैंट्रम कहते हैं। एक से तीन साल के बच्चों में टैंट्रम दिखाना आम माना जाता है लेकिन कुछ परिस्थितियों में बच्चे इसकी सीमा को लांघ जाते हैं और मां-बाप को पता तक नहीं चलता है। इस स्थिति से बचने के लिए पेरेंट्स को यह पता होना चाहिए कि उनके बच्चे का टैंट्रम दिखाना नॉर्मल है या नहीं।

जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं, उनका टैंट्रम दिखाना कम हो जाता है। अगर आपको लग रहा है कि आपका बच्चा बहुत नखरे करता है, चीखता-चिल्लाता है या रोना शुरू कर देता है, तो इस आर्टिकल से आपको काफी मदद मिल सकती है।

तीव्र भावनाओं को हम गुस्से के रूप में बाहर निकालते हैं जैसे चिल्लाना या किसी क्राइम की शिकायत करना। ये अभिव्यक्तियां उस समय होती हैं जब टॉडलर अपने असंतोष को व्यक्त करने के लिए चिल्लाते हैं जब वे असहज, अभिभूत या अपने परिवेश से जुड़ने में असमर्थ होते हैं।

टॉडलर्स को गुस्सा आना और गुस्से में नखरे दिखाना पूरी तरह से सामान्य है।

अक्सर बच्चे अपनी जरूरतों या इच्छाओं को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाते हैं और इसी की प्रतिक्रिया में उन्हें गुस्सा आ जाता है।

किसी एक्टिविटी के बीच बदलाव या नई या चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करने पर भी बच्चे को गुस्सा आ जाता है।

अगर बच्चे में कोई सुधार नहीं दिख रहा और उसके टैंट्रम बढ़ते जा रहे हैं, तो यहां आपको ध्यान देने की जरूरत है।

वहीं जब बच्चे के टैंट्रम परिवार को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगे, तो यहां आपको प्रोफेशनल की मदद लेनी चाहिए।

इसमें आप उन चीजों को समझने की कोशिश करें, तो बच्चे को ट्रिगर करती हैं और फिर जितना हो सके उन ट्रिगर्स को इग्नोर करने का प्रयास करें। आप बच्चे को अपनी भावनाओं को कंट्रोल करने, बेहतर तरीके से अपनी बात रखने में मदद कर सकते हैं।

टॉडलर बच्चों के विकास में टैंट्रम एक नॉर्मल हिस्सा है और इसमें पेरेंट्स को धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। इसकी मदद से मां-बाप आसानी से चुनौतियों को पार कर सकते हैं।

लैपटॉप का कैमरा हो जाएगा नए जैसा साफ

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। आजकल ऑनलाइन मीटिंग्स, वर्क फ्रॉम होम और वर्चुअल क्लासेज के दौर में लैपटॉप कैमरे की गुणवत्ता बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। यदि आपका लैपटॉप कैमरा धुंधला या खराब है, तो यह आपके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित कर सकता है। यहां हम आपको कुछ टिप्स देंगे जिससे आप अपने लैपटॉप कैमरा की गुणवत्ता को सुधार सकते हैं।कैमरा लेंस की सफाई करेंः सबसे पहले, अपने लैपटॉप कैमरा लेंस को माइक्रोफाइबर कपड़े से साफ करें। लेंस पर धूल या उंगलियों के निशान अक्सर कैमरे की गुणवत्ता को खराब कर देते हैं।प्रकाश व्यवस्था में सुधार करेंः अच्छा प्रकाश कैमरे की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है। अपने चेहरे के सामने एक लाइट सोर्स रखें। नेचुरल लाइट का इस्तेमाल करें या यदि संभव हो तो एक रिंग लाइट का उपयोग करें।कैमरा सेटिंग्स एडजस्ट करेंः कई लैपटॉप में कैमरा सेटिंग्स को एडजस्ट करने का विकल्प होता है। ब्राइटनेस, कंट्रास्ट और एक्सपोजर सेटिंग्स को चेक करें और उन्हें सही तरीके से सेट करें।बैकग्राउंड को क्लियर रखेंः एक साफ और सरल बैकग्राउंड से ध्यान आपके चेहरे पर केंद्रित रहता है, जिससे वीडियो कॉल की गुणवत्ता बेहतर लगती है।वेबकैम कवर का इस्तेमाल करेंः यदि आपका कैमरा लेंस अक्सर धूल या गंदगी से ढक जाता है, तो एक वेबकैम कवर का उपयोग करें। इसे आप जब उपयोग में नहीं ले रहे होते हैं, तब कैमरा को कवर करके रखें।

इन चीजों से आपको भी हो सकती है फूड एलर्जी, पहचान करना जरूरी

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। प्रेम क्या है? यह एक ऐसा प्रश्न है जिसके समाधान की खोज प्राचीन काल से चली आ रही है। हर युग में आए दार्शनिकों ने भी प्रेम के स्वरूप की व्याख्या करने के अनेक प्रयत्न किए हैं। ह्यप्रेमह्ल शब्द का प्रयोग हममें से अधिक लोग भिन्न-भिन्न संबंधों के प्रति अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए करते हैं। जैसे माता-पिता और बच्चे में प्यार होता है तो भाई-बहन और रिश्तेदारों का भी आपस में प्यार होता है। मित्रों में प्रेम होता है। देश के प्रति भी प्रेम होता है। बहुत बार हमें अपनी संपत्ति के साथ भी लगाव होता है। पालतू जानवरों से भी लोगों को स्नेह होता है। आमतौर पर जब प्रेम के बारे में विचार किया जाता है तो हम स्त्री-पुरुष के आपसी प्रेम के बारे में सोचते हैं।कई बार हम सारी मानवजाति और सृष्टि के प्रेम के बारे में भी बात करते हैं। मगर प्रेम के हर रूप में कुछ न कुछ गुण एक जैसे होते हैं। जैसे कि इस संसार की किसी वस्तु के प्रति प्रेम के मामले में उस वस्तु से मोह होता है। जिसे हम प्रेम करते हैं उसकी हमें बहुत आवश्यकता होती है। उसके लिए हम अपने दिल में गहरा लगाव रखते हैं और हमें यह डर लगा रहता है कि कहीं वह वस्तु हमसे खो न जाए। चाहे प्रेम अपने परिवार के प्रति हो या मित्रों के प्रति, चाहे प्रेमी के प्रति हो या अपने सामान और अपने देश के प्रति, उसमें प्रेमके ये गुण हमेशा मौजूद रहते हैं।संत-महापुरुष हमें समझाते हैं कि इस दुनिया का बाहरी प्रेम केवल कुछ समय के लिए ही रहता है। इसके विपरीत यदि हम सदा-सदा का प्रेम पाना चाहते हैं तो वह हमें केवल प्रभु से ही मिल सकता है। प्रभु के प्रति प्रेम को अनुभव करने के लिए हमें संपूर्ण सृष्टि के प्रति प्रेम को अपने अंदर जगाना होगा। हममें से अधिकतर लोग अपने परिवार और मित्रों के छोटे से दायरे के प्रति ही प्रेम रखते हैं। पर जैसे-जैसे हम आध्यात्मिक तौर पर प्रगति करते हैं तो हमारा हृदय विशाल होने लगता है और हम अपने समुदाय, समाज, देश और संपूर्ण भूमंडल के प्रति प्रेम का विकास करने लगते हैं। प्रेम की अंतिम अवस्था ब्रह्मांड की समस्त सृष्टि के लिए प्रेम होना है।

हमें अपने परिवार और मित्रों से प्रेम होने पर जिस आनंद का अनुभव होता है

उसका तो हमें अंदाजा है। यदि हम उस प्रेम को इतना फैला दें कि समस्त सृष्टि से हमें प्यार हो जाए तो हम स्वयं अंदाजा लगा सकते हैं कि तब हमारे हृदय में कितना अधिक प्रेम होगा। ऐसा प्रेम पवित्र और आध्यात्मिक होता है। ऐसा ही प्रेम प्रभु को अपनी सृष्टि से होता है क्योंकि प्रेम दिव्य, ईश्वरीय और एक आध्यात्मिक गुण है। दिव्य-प्रेम में आत्मा को अपने पालनकर्ता, परमात्मा में फिर से एकमेव होने की आध्यात्मिक लगन होती है।प्रभु सब आत्माओं के पिता है। जब वे आत्माएं इस संसार में एक जीवन से दूसरे जीवन में गुजरती हैं, तो प्रभु प्रत्येक आत्मा को याद करते हैं क्योंकि वह प्रत्येक आत्मा से प्रेम करते हैं और हरेक का ध्यान रखते हैं।

10 हजार से भी कम डाउन पेमेंट में घर ला सकते हैं हीरो की बाइक

समाचार गेट/एजेंसी

भारतीय बाजार की नंबर 1 टू-व्हीलर कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की सबसे ज्यादा बिकने वाली मोटरसाइकल में स्प्लेंडर के साथ ही एचएफ डीलक्स भी है और हर महीने इसकी हजारों यूनिट बिकती है। हीरो एचएफ डीलक्स के किक स्टार्ट, सेल्फ स्टार्ट और अलॉय ऑप्शन में कुल 4 वेरिएंट हैं। इस महीने जो लोग अपने लिए सस्ती और अच्छी माइलेज वाली बाइक घर लाना चाहते हैं तो फाइनैंस कराने को बेहतर विकल्प मानते हैं यह बेहद आसान है। आप सिर्फ 10 हजार रुपये डाउन पेमेंट कर हीरो एचएफ डीलक्स फाइनैंस करा सकते हैं। इसके बाद आप 3 साल के लिए कुछेक हजार रुपये मासिक किस्त के रूप चुका सकेंगे।

हीरो एचएफ डीलक्स की कीमत और खासियत के बारे में बताएं तो हीरो एचएफ डीलक्स के सेल्फ स्टार्ट अलॉय व्हील ऑल ब्लैक वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 59,998 रुपये, किक स्टार्ट ड्रम अलॉय व्हील वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 61,870 रुपये, सेल्फ स्टार्ट अलॉय व्हील वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 67,268 रुपये और सेल्फ स्टार्ट अलॉय व्हील ,3र वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 69,018 रुपये है। एचएफ डीलक्स बाइक में 97.2 सीसी का इंजन लगा है, जो कि 8.02 पीएस की मैक्सिमम पावर और 8.05 न्यूटन मीटर का पिक टॉर्क जेनरेट करता है। हीरो की इस कम्यूटर बाइक की माइलेज 70 है।

भाजपा चवन्नी खर्च कर 10 रुपये बताती है: दीपेंद्र हुड्डा

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। कांग्रेस के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान की पदयात्रा रविवार को बावल विधानसभा पँहुची। जगह-जगह रोहतक लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा टिकटार्थी समेत अनेक नेताओं ने फूलमालाओं, ढोल नगाड़ों से स्वागत किया। नगरपालिका चेयरमैन वीरेंद्र महलावत के आवास पर पत्रकारवार्ता में दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की जनता अब भाजपा की जनविरोधी नीतियों की जान चुकी है और अब भाजपा से उसके दस वर्षों के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है, जिससे भाजपा मुंह नहीं फेर सकती उसे जनता के सभी सवालों का जवा व हिसाब देना ही होगा।

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हरियाणा की जनता की आवाज बनकर बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, ईड़ी और केंद्रीय जांच एजंसियों का दुरुपयोग,750 किसानों की मौत जैसे गम्भीर सवालों का जवाब और हिसाब मांग रही है लेकिन उनके पास कोई जवाब ही नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि यहां के भाजपा में कैबेनेट मंत्री डॉ.बनवारीलाल भी कांग्रेस से उनके कार्यकाल के हिसाब जानना चाहते हैं तो दीपेंद्र ने पलटवार करते हुए कहा कि मंत्री जी भी एम्स में हो रही देरी का जवाब दें।

बावल की बदहाल सड़क, पानी की किल्लत और दस वर्षों में यहां एक भी नई इंडस्ट्री स्थापित न होने का जवाब दें। स्थानीय उद्योगों में स्थानीय युवाओं को रोजगार न मिलने के सवाल पर कहा कि भाजपा की कार्यशैली ही ऐसी रही है कि वह चवन्नी का काम करके दस रुपये की घोषणा करती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर स्थानीय युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार दिलाना और नशे को जड़ से खत्म करना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

उत्तरप्रदेश में दुकानदारों द्वारा प्रोपराइटर बोर्ड लगाने के सरकार के फैसले पर कहा कि भाजपा लोगों को मुद्दों से भटकाने का काम कर रही है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक राव दानसिंह के घर ईडी की रेड पर कहा कि जिस दिन कांग्रेस ने हरियाणा मांगे हिसाब अभियान की शुरुआत की उसी दिन भाजपा ने भी कांग्रेसियों के ठिकानों रेड डलवाने केंद्रीय जांच एजंसियों के दुरुपयोग की स्पीड भी तेज कर दी। तीन दिन तीन रेड इसका उदाहरण है।

अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए दीपेंद्र ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर हों या वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सैनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह हों या गृहमंत्री अनिल विज सभी सिर्फ भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ही निशाना बनाने में आमादा हैं।

इसके जवाब में मैं तो सिर्फ इतना ही कहूंगा कि हम सभी के निशाने पर हैं आखिर कुछ तो हममें भी दम होगा।

अंत मे उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में रेवाड़ी बावल कोसली में सवा लाख वोट बढ़े हैं

हर कोई कांग्रेस का टिकिट मांगने को खड़ा है इसका मतलब अगली सरकार प्रदेश में कांग्रेस की ही होगी जिसपर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए।

इस मौके पर गुरुग्राम से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी राजबब्बर, रेवाड़ी विधायक चिरंजीव राव, पूर्व मंत्री जगदीश यादव, पूर्व मंत्री जसवंत बावल, राजस्थान के मुंडावर विधानसभा से विधायक ललित यादव, पूर्व मंत्री एमएल रंगा, मुकेश जूली, नीलम भगवाड़िया, प्रवीण चौधरी शालू, पूर्व सदस्य लोक सेवा आयोग डॉ पवन कुमार, अतर सिंह ओढी, साधु सिंह, रेखा दहिया, पूर्व सरपंच एवं ब्लाक समिति सदस्य पूर्ण सिंह हरचंदपुर, कोसली से रामफल कोसलिया, किसान नेता रामकिशन महलावत, लवली यादव आदि विशेष रूप से मौजूद रहे।

बेटियां खेल और शिक्षा के क्षेत्र में देश का नाम कर रही है रोशन:अनिता कुंडू

समाचार गेट/ सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। खेल से जुड़-कर युवा नशे पत्ते से दूर रह सकता है इसके लिए हमें अपने बच्चों को खेल गतिविधियों में शामिल करने की आवश्यकता है उपरोक्त वक्तव्य शनिवार को खंड के गांव नलोई में आयोजित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत खेल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डीएसपी आर्यन चौधरी ने कही। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को सर्वांगीण विकास के लिए खेल से जोड़ना होगा ताकि युवा रास्ता ना भटके। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंची पर्वतारोही अनीता कुंडू ने कहा कि हम अपने पुराने खेल और रीति रिवाज को बोल रहे हैं ।आज के युवाओं को अपने बुजुर्गों के पास अवश्य बैठना चाहिए और हमारी पुरानी विरासत को अवश्य याद करना चाहिए ।उन्होंने कहा कि अगर हम अपनी दिनचर्या में खेल को शामिल करते हैं तो हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है और किसी गलत दिशा में भी नहीं जाते हैं ।अनीता कुंडू ने कहा कि आज के समय हमारी बेटियां भी किसी से काम नहीं है। बेटियां खेल और शिक्षा के क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहे हैं ।आज पुलिस प्रशासन द्वारा गांव नलोई को नशा मुक्त गांव घोषित किया गया। इस अवसर पर डीएसपी आर्यन चौधरी द्वारा पौधारोपण कर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने एवं उनकी सुरक्षा करने बारे में जागरूक किया गया। आयोजित खेल प्रतियोगिता में गांव लड़कियों और लड़कों की टीम ने कबड्डी की टीम के बीच कबड्डी का मुकाबला खेला गया। ग्रामीणों द्वारा आए हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सरपंच रमेश सिंधु ,मोहित नशा मुक्ति केंद्र के डायरेक्टर कृष्ण गोदारा, वीरेंद्र श्योराण, युवा जागृति क्लब के अध्यक्ष मनोज जांगड़ा, नेहरू युवा केंद्र के सूबेन सुथार श्री श्याम गौशाला के अध्यक्ष रमेश सिंधु ,सुरेश वीडीसी बड़वा, रविंद्र झाझदिया, सूरज मोरवाल, मनीष, बलजीत रेजड़ी राजेश कुमार, संजय शर्मा, जयकरण, सूबेदार इंद्र सिंह, राकेश वर्मा सहित ने ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

संतोष सोनी मूंदी वाले बने स्वर्णकार बिरादरी जिला रेवाड़ी के नए प्रधान

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। होटल विलबेरी में आज स्वर्णकार बिरादरी जिला रेवाड़ी का बिरादरी के पदाधिकारी के चुनाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चौधरी नीरज सोनी ने बिरादरी को संबोधित किया। उनकी बात मानते हुए सभी भाइयों ने सर्वसम्मति से संतोष सोनी मूंदी वाले को प्रधान, मुकेश सोनी मसीत वाले को महासचिव, प्रदीप सोनी पचगांव वाले को कोषाध्यक्ष, कुलदीप बीकानेरी को उपसचिव तथा नवीन कुमार को सह सचिव बनाया गया। बाबू गोरा सिंह बिरादरी के संरक्षक बनाए गए। इस अवसर पर नीरज चौधरी ने गुरु महिमा का ओजस्वी वर्णन किया। इस अवसर पर स्वर्णकार बिरादरी जिला रेवाड़ी के धारूहेड़ा से त्रिलोकचंद, कोसली से महेश कुमार, डहीना से हेमंत कुमार सोनी तथा बावल से राजेंद्र सिंह को अपने-अपने क्षेत्र का प्रतिनिधि बनाया गया। इस मौके पर बोहराजी, प्रकाश चंद, मिंटू, पुरुषोत्तम दास, पेपे, विशेष अतिथि प्रवीण जैन, पूर्व प्रधान रामनिवास सोनी, लक्ष्मण सोनी, मास्टर अशोक सोनी, मुरारी लाल सोनी, सतीश सोनी, सुरेश सोनी बीकानेर वाले, ईश्वर सोनी जगदीश सोनी, युद्धवीर सिंह, बॉबी सोनी, जसवंत सोनी, पूरणमल की मारवाड़ी, बाबूलाल सोनी सतनाली वाले, दीपक सोनी पूर्व प्रधान जवाहरलाल सोनी समेत समाज के सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

देश-प्रदेश में समान विकास के कार्य कर रही डबल इंजन की सरकार : डा. बनवारी लाल

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार में लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में लगातार ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए देश-प्रदेश में समान विकास के कार्य कर रही है। यह सरकार गरीब को मजबूत करने का काम कर रही है। हाल ही में इस दिशा में अनेकों निर्णय लिए गए हैं, जिससे गरीब परिवारों को योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचा है।

लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल रविवार को भालखी में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत गरीब परिवारों के घर पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसे नेट मीटर से जोड़ा जाएगा। इससे खपत के बाद जो बिजली बचती है और वह विभाग को जाती है उसका चार्ज विभाग को देना पड़ेगा। इस योजना से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा आगामी विधानसभा सभा चुनाव के दृष्टिगत अगले दो माह बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। कार्यकर्ता मजबूती के साथ पूरी मेहनत और लग्न के साथ प्रचार में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि विधानसभा चुनाव 2024 में भी जिला के कर्मठ कार्यकर्ता पार्टी को हरियाणा में तीसरी बार जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा करेंगे।

कार्यकर्ता सम्मेलन में बाबू वीर कुमार यादव, खोल मंडल अध्यक्ष जितेंद्र यादव, बावल मंडल अध्यक्ष अमरजीत सिंह, डॉ अरविंद यादव कुंडू,जिला महामंत्री सत्यदेव यादव, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप चौहान, महिला मोर्चा प्रदेश सचिव हेमलता तंवर उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष पर भारत विकास परिषद ने किया पौधारोपण

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। श्री राम शाखा भारत विकास परिषद ने आरडब्लूए रेवाड़ी ग्रीन सोसायटी के साथ मिलकर गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में सुबह 06:30 बजे पौधा रोपण का कार्यक्रम रेवाड़ी ग्रीन सोसायटी ऑपोजिट सोमानी कॉलेज गढ़ी बोलनी रोड, रेवाड़ी पर किया। इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा पौधे लगाए व 50 से ज्यादा वितरित किए गए।उसके बाद रेलवे लाइन गढ़ी बोलनी रोड पर भी 50 से ज्यादा पौधा रोपण किया गया।इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद से क्षेत्रीय सचिव डॉ रामबाबू यादव, श्री राम युवा शाखा अध्यक्ष सीए जितेश अग्रवाल सचिव डॉ दीपक यादव, उपाध्यक्ष सीए जतिन, कोषाध्यक्ष सचिन सिंघल, सहकोषाध्यक्ष सीए कश्यप गुप्ता, सीए सचिन भूटानी व आर डब्लू ए, रेवाड़ी ग्रींस से जोगेंद्र, मंजीत सिहाग, मुकेश कुमार, प्रवीण कुमार, विवेक यादव, भूपिंदर, सुरेंद्र कुमार, महिपाल, सतेंद्र कुमार, सुधीर कुमार, सीए संदीप कुमार, श्री सीता राम व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के सदस्यों के बच्चों व रेवाड़ी ग्रीन के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर अमरुद, नींबू, सागवान, खजूर, कड़ी पत्ता, तुलसी, जामुन, पापड़ी, अमलतास, तिकोमा, गुड़हल के पौधे लगाए व वितरित किए गए।

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर आरपीएस स्कूल में हुआ सेमिनार का आयोजन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना ।गुरू पूर्णिमा अवसर पर आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल कनीना में सेमिनार का आयोजन किया गया ` जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने गुरू- शिष्य की महिमा पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने सामूहिक गान से गुरू वंदना की।

प्रधानाचार्य ज्योति भट्ट एवं शिक्षिका रचना देवी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गुरु की महानता को दशार्ते हुए कहा कि गुरू गोविंद दोउ खडे, काके लागू पाय। बलिहारी गुरू आपने गोविंद दियो मिलाए।

यह केवल कहने की बात नहीं है कि गुरू को गोविंद से भी ऊँचा स्थान प्राप्त है। गुरू अनंत से अपरंपार है। वे अज्ञानता रूपी अंधकार को हटाकर ज्ञानता रूपी प्रकाश फैलाते है। जीवन में हमें जहाँ से ज्ञान प्राप्त होता है वही गुरू है।

जिस तरह मनुष्य का जीवन यापन करने के लिए भोजन, जल, वायु की आवश्यकता होती है वैसे ही मनुष्य को अपना अच्छा जीवन जीने के लिए गुरू की आवश्यकता होती है` भट्ट ने कहा कि ज्ञान के बिना मनुष्य पशु के समान है और गुरू के बिना ज्ञान संभव नहीं तथा ज्ञान के बिना अच्छा जीवन संभव नहीं। गुरू अपने शिष्य को सद्मार्ग दिखाते है। यह दिन केवल शैक्षिक गुरुओं के लिए नहीं है बल्कि हर क्षेत्र में मार्ग दर्शन करने वाले सभी गुरूओं के प्रति समर्पित है। अपने गुरूओं को आदर व सम्मान देने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

गाहड़ा में 30 लाख की लागत से बनाए जा रहे नाला निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना । कनीना सबडिवीजन के गांव गाहड़ा में बनाए जा रहे नाले में घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने को लेकर ग्रामीणों ने विरोध बताया है` 30 लाख रुपए की लागत से सड़क मार्ग के दोनों और बनाए जा रहे 300 मीटर लंबे निकासी के नाले निर्माण में ठेकेदार की ओर से निम्न गुणवत्ता वाला मटेरियल लगाया जा रहा है` ग्रामीणों ने बताया कि यह नाला लोक निर्माण विभाग द्वारा नाला बनाया जा रहा है। नाले का निर्माण कार्य आर-एसआर कंस्ट्रक्शन के द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों सुरेश,सज्जन सिंह ने बताया की निर्माण कार्य में बहुत ही निम्न स्तर की ईंट व अन्य घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है।

गाहड़ा से कनीना सड़क में नहर के पास बरसात का पानी जमा हो जाता था। जिससे आने-जाने वाले राहगीरों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों का कहना है की अब बनाए जा रहे नाले में नाम मात्र की सीमेंट प्रयोग की जा रही है। जिससे बरसात में ही नाला क्षतिग्रस्त होने की संभावना बन रही है। इस बारे में एसडीएम सुरेंद्र सिंह ने बताया की ठेकेदार के द्वारा घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उस मैटेरियल को हटवा कर पुनः नाले का निर्माण करवाया जाएगा।लोक निर्माण विभाग के जेई जितेंद्र कुमार ने बताया कि जलभराव की समस्या के चलते तीन सौ मीटर लम्बी सड़क को तीस लाख की लागत से ऊंचा उठाकर सीसी टायल से बनाया जाएगा। जिसके दोनो तरफ दो फीट चोड़े नाले का निर्माण किया जावेगा। ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री लगाई जा रही है तो कार्य को बंद करवा कर नए सिरे से बढ़िया निर्माण सामग्री प्रयोग में लाई जाएगी।

वीर सावरकर जन्मभूमि के दर्शन करने दूसरी बार जाएगी यात्रा: श्रीनिवास शास्त्री

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। वीर सावरकर विचार मंच रेवाड़ी के नेतृत्व में आगामी 21 से 23 अक्टूबर को दूसरी बार तीर्थ यात्रा कराई जाएगी, जिसमें त्र्यंबकेश्वर, नासिक, पंचवटी व वीर सावरकर जन्म भूमि की यात्रा शामिल है। यह जानकारी देते हुए वीर मंच के संस्थापक श्रीनिवास शर्मा शास्त्री ने बताया की 22 अक्टूबर त्रंबकेश्वर मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे तत्पश्चात पंचवटी तथा नासिक आदि के धार्मिक स्थलों की यात्रा कराई जाएगी। 23 अक्टूबर को वीर सावरकर के जन्म स्थान के दर्शन कर वहां भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। इसी दिन रवि भूषण पुरंदरे व अशोक पाटिल के नेतृत्व में मुंबई-अहमदनगर व सांगली से सावरकर भक्तों का दल भी शामिल होगा। श्री शास्त्री ने आह्वान किया है की जो भी सावरकर भक्त इस यात्रा में जाना चाहें वे गांधी चौक स्थित सुरेश जाजोरिया से संपर्क कर सकते हैं।

ब्रजमण्डल जलाभिषेक यात्रा को लेकर तैयारियां संपन्न

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा को लेकर नई अनाज मंडी रेवाडी में एक विशेष बैठक रखी गई जिसकी अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष राधेश्याम मित्तल ने की। श्री मित्तल ने बताया की यात्रा साधु संत व समस्त हिंदू समाज की अगुवाई में होने जा रही है। यात्रा की अध्यक्षता परम श्रधेय महंत बृजेंद्र पुरी महाराज करेंगे। इस यात्रा के मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज के प्रधान रिपु दमन गुप्ता होंगे साथ ही विशिष्ट अतिथि समाजसेवी अजय मित्तल रहेंगे। उन्होंने बताया कि सर्वसम्मति से जिला यात्रा प्रमुख राजकुमार यादव को तय किया गया है। राजकुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस यात्रा को लेकर कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां तय की गई है जिसमें यात्रा सर्व अधिकारी राधेश्याम मित्तल, यात्रा प्रमुख राजकुमार यादव, सह प्रमुख प्रवेश कुमार, व्यवस्था प्रमुख राजेंद्र सिंघल सह व्यवस्था प्रमुख संजय व चंद्र मोहन गुप्ता, यात्रा संयोजक सुमित शर्मा सह संयोजक कर्मपाल ठेकेदार, वाहन प्रमुख नरेश यादव, सह प्रमुख रामकिशन यादव, एंबुलेंस व उपचार प्रमुख प्रदीप वशिष्ठ, सह प्रमुख जितेन सैनी, मीडिया प्रमुख राजेश भारद्वाज होंगे। यात्रा आपातकाल के लिए एक विशेष टोली का गठन किया गया है जिसमें लक्ष्मी नारायण शर्मा, संजय गुप्ता, रामप्रसाद यादव, नरेंद्र जोशी व पवन भारद्वाज होंगे।

गुरु पूर्णिमा पर डोहकी की पहाड़ी पर कीर्तन कर वृक्षारोपण किया

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट, श्री राम शाखा व समस्त ग्रामवासियों ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गांव डोहकी की पहाड़ी पर भजन कीर्तन व प्रसाद वितरण किया।इस अवसर पर पहाड़ी क्षेत्र पर विभिन्न प्रकार के 70 से अधिक फलदार एवम छायादार पौधे लगाए गए तथा ग्रामवासियों को वितरित किए गए।इस अवसर पर बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश राजपाल जी ने गुरु की महिमा कथा के रूप में बखान की।श्री राम शाखा के अध्यक्ष सीए जीतेश अग्रवाल एवम क्षेत्रीय सचिव डॉक्टर आर वी यादव ने वृक्षों का महत्व बताया।गांव के सरपंच तेजपाल ने सभी को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट से आदर्श अरोड़ा, ललित दुआ, राजू दुआ, तारा चंद सैनी, अमित पोपली, हुकम चंद नागपाल, अर्पित अधलखा, सीए जतिन सैनी, सौए आकाश गौड़, विनोद, संदीप भाटिया, राजू सपरा, निरंजन कुमार, राहुल शर्मा, जीतेश नागपाल, तेजपाल जांगड़ा, पुनीत सलूजा, निखिल, गौरव तनेजा, भारत विकास परिषद से रमेश सचदेवा, प्रशांत गुप्ता व डोहकी गांव से सतबीर, अशोक, कपूर, लाला तथा अन्य भक्तजन उपस्थित रहे।

महिला एशिया कप : भारत की बड़ी जीत, यूएई को 78 रन से हराया

दाम्बुला (एजेंसी)। गत चैम्पियन भारतीय महिला टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66 रन) और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष (नाबाद 64) के अर्धशतकों के बाद कसी गेंदबाजी से रविवार को यहां महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट मैच में अपना रिकॉर्ड स्कोर बनाकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 78 रन से शिकस्त दी। सात बार की चैम्पियन भारत ने अपने पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था और अब लगातार दूसरी जीत से सेमीफाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर है। दो जीत से भारत ग्रुप ए में चार अंक से शीर्ष स्थान पर है जिसमें उसका नेट रन रेट +3.298 है। भारत अपने तीसरे और अंतिम ग्रुप मैच में मंगलवार को नेपाल से भिड़ेगा।

भारत ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जो महिला एशिया कप का रिकॉर्ड स्कोर है। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद यूएई को 20 ओवर में सात विकेट पर 123 रन पर रोक दिया। उसके लिए कप्तान ईशा ओझा (38 रन) ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें सहयोग नहीं मिला। कविशा एगोडगे ने नाबाद 40 रन बनाये। भारत ने पांच गेंदबाजों का इस्तेमाल किया जिसमें सभी ने कम से एक एक विकेट लिया। अनुभवी गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट झटके।

रेणुका सिंह (30 रन देकर एक विकेट) और पूजा वस्त्रकार (27 रन देकर एक विकेट) की तेज गेंदबाज जोड़ी ने तीर्था सतीश (04) और ऋणीता रजीत (07) को आउट किया जिससे यूएई का स्कोर 5.2 ओवर में 2 विकेट पर 24 रन हो गया। इसके बाद दीप्ति ने अपनी तीसरी गेंद पर समायरा धरनीधरका (05) को आउट किया। लेकिन ओझा और कविशा एगोडगे ने कुछ मनोरंजक शॉट खेले और अगले तीन ओवर में 20 रन बनाए। चोटिल श्रेयंका पाटिल की जगह अंतिम एकादश में शामिल तनुजा कंवर (14 रन देकर एक विकेट) ने ओझा को स्टंप आउट कर दिया जबकि राधा यादव (29 रन देकर एक विकेट) ने खुशी शर्मा (10) को आउट किया जिससे 16वें ओवर में उनका स्कोर पांच विकेट 95 रन हो गया।

इसके बाद हीना होतचंदानी (08) दीप्ति का दूसरा शिकार बनीं और ऋतिका रजीत आखिरी गेंद पर रन आउट हो गईं। इससे पहले 35 वर्षीय हरमनप्रीत पूरी तरह से दबदबा बनाये थीं, उन्होंने 47 गेंद की पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का जड़ा। हरमनप्रीत ने इस तरह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 12वां अर्धशतक जड़ा जो कप्तान के तौर पर उनका 11वां पचासा है। ऋचा ने 'फिनिशर' की भूमिका अच्छी तरह निभाते हुए 29 गेंद की पारी में 12 चौके और एक छक्का जड़ा। उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में हीना होतचंदानी पर पांच चौके जमाए। ऋचा का यह टी20 में पहला अर्धशतक है। हरमनप्रीत ने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाईं जिसमे पहले जेमिमा रोड्रिग्स के साथ 39 गेंद में 54 रन की चौथे विकेट की भागीदारी और पांचवें विकेट के लिए ऋचा के साथ 45 गेंद में 75 रन की साझेदारी शामिल रहीं।

भारत ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहली बार 200 रन के स्कोर का आंकड़ा पार किया। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (13 रन) ने एक छक्का और एक चौका जड़कर भारत को अच्छी शुरूआत करायी। लेकिन तीसरे ओवर में कविशा एगोडगे की गेंद पर अति उत्साही शॉट ने उनकी पारी मिडऑफ पर खत्म कर दी। शेफाली वर्मा ने फिर कुछ शानदार शॉट खेले जिससे उन्होंने 18 गेंद में 37 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने पांच चौके और एक छक्का जड़ा। वह तेज गेंदबाज समायरा धरनीधरका की वाइड गेंद पर बल्ला छुआकर

विकेटकीपर को कैच दे बैठीं। अगले ओवर में होतचंदानी ने फिर दयालन हेमलता (02) को आउट किया जिससे पावरप्ले में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 52 रन था।

कप्तान हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स (14 रन) ने फिर स्कोर चलायमान रखा। इन दोनों में हरमनप्रीत ने तेजी से खेलते हुए 39 गेंद में 54 रन की साझेदारी बनायी जिससे भारत ने 11वें ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। पर अगले ओवर में एगोडगे ने रोड्रिग्स को आउट कर दिया। ऋचा ने जिम्मेदारी से खेलते हुए हरमनप्रीत का अच्छा साथ निभाया। ऋचा ने यूएई की कप्तान ईशा ओझा पर चार चौके जड़कर 18 रन जुटाये। हरमनप्रीत ने 18वें ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर समायरा धरनीधरका पर दो चौके और एक छक्का जड़ा। पर फिर वह रन आउट हो गईं और घोष ने महज 26 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद अंतिम ओवर में पांच चौके से 20 रन जोड़े।

चैंपियंस ट्रॉफी: 'हम उनके बिना खेलेंगे', हसन अली ने भारत के पाकिस्तान न आने पर प्रतिक्रिया दी

लाहौर (एजेंसी)। भारत के 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान दौरे पर न जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टार पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हसन अली ने कहा कि अगर आईसीसी टूर्नामेंट पाकिस्तान में आयोजित किया जाना है, तो इसे भारत की भागीदारी के बिना भी योजना के अनुसार ही आयोजित किया जाना चाहिए। पाकिस्तान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 2025 संस्करण की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो 19 फरवरी को कराची में शुरू होने वाला 8 टीमों का टूर्नामेंट है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी की जानी है। टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी के लिए पाकिस्तान में तीन स्थानों को चुना गया है जो आखिरी बार 2017 में आयोजित किए गए थे। हसन अली ने समा टीवी पर कहा, 'अगर हम खेलने के लिए भारत जा रहे हैं, तो उन्हें भी पाकिस्तान आना चाहिए। कई लोगों ने अनगिनत बार कहा है कि खेलों को राजनीति से दूर रहना चाहिए। लेकिन अगर आप इसे दूसरे नजरिए से देखें, तो कई भारतीय खिलाड़ियों ने साक्षात्कारों में कहा है कि वे पाकिस्तान में खेलना चाहते हैं। तो, इसका मतलब यह नहीं है कि टीम नहीं आना चाहती; वे निश्चित रूप से आना चाहते हैं। लेकिन जाहिर है, उनके पास विचार करने के लिए अपनी नीतियां, देश और बोर्ड है।' हसन ने आगे जोर देते हुए कहा, 'जैसा कि हमारे (पीसीबी) अध्यक्ष पहले ही कह चुके हैं, अगर चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होने वाली है, तो यह पाकिस्तान में ही होगी। अगर भारत नहीं आना चाहता है, तो हम उनके बिना खेलेंगे। पाकिस्तान में क्रिकेट खेला जाना चाहिए और अगर भारत भाग नहीं लेना चाहता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि क्रिकेट खत्म हो गया है। भारत के अलावा कई अन्य टीमें भी है।' रिपोर्ट्स के मुताबिक राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय क्रिकेट टीम आगामी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सकती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से अपने मैचों को श्रीलंका या दुबई में स्थानांतरित करने का अनुरोध करने पर विचार कर रहा है।

सीन नदी पर ओलंपिक उद्घाटन समारोह का विरोध कर रहे लोग

पेरिस (एजेंसी)। 26 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलिम्पिक में इस बार उद्घाटन समारोह सीन नदी पर रखा गया है। जिसको लेकर आयोजन समिति विवादों में आ गयी है। कुछ संगठनों ने इसका विरोध करना शुरु कर दिया है। उनका कहना है कि ये नदी बेहद प्रदूषित है और इस प्रकार खिलाड़ियों के स्वास्थ के साथ खिलवाड़ हो रहा है। ये पहली बार है जब ओलंपिक का उद्घाटन समारोह किसी नदी (सीन) पर होना है। इस दौरान विभिन्न नांव पर सवार 10,500 एथलीट, कोच, नेता और कर्मचारी नाव परेड के रूप में पेरिस के मध्य से साढ़े 3 मील की दूरी तय करते हुए जार्डिन डेस प्लांटिस के पास ऑस्टर्लिट्ज ब्रिज से होते हुए ट्रोकाडेरो में एफिल टॉवर के सामने इनेना ब्रिज पर रुकेंगे। विरोध का कारण ये है कि यह नदी बीते कुछ सालों से अत्यधिक प्रदूषित हुई है। वहीं सरकार यह दावा है कि नदी को साफ करवा दिया गया है। इसमें 2 ओलिम्पिक इवेंट मैराथन स्विमिंग और ट्राइथलॉन करवाने की रूपरेखा बना चुकी है। वहीं विरोध कर रहे संगठनों का दावा है कि प्रबंधन अनूठा करने के चक्कर में खिलाड़ियों की सेहत को खतरे में डाल रहा है। ओलिम्पिक इवेंट नदी में नहीं हों इसके लिए वह मानव मल तक नदी में फैंकने के लिए भी तैयार हैं। ऐसे में फ्रांस सरकार की मुश्किलें बढ़ रही है। वह वह ओलंपिक परेड को सबसे बड़े स्टेडियम स्टेड डी फ्रांस में करवाने की वैकल्पिक योजना पर भी काम कर रही है लेकिन उनकी प्राथमिकता अभी भी सीन नदी पर परेड करवाने की है, जिससे विरोध होने का खतरा और बढ़ गया है। पेरिस शहर की मेयर ऐनी हिडाल्गो ने इसमें तैरकर इसे सुरक्षित बताने का प्रयास किया था लेकिन लोग इससे सहमत नहीं हैं।

भारत को टी20आई द्विपक्षीय सीरीज के लिए आमंत्रित करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी 2025 में भारत को तटस्थ स्थल पर टी20आई द्विपक्षीय सीरीज के लिए आमंत्रित कर सकते हैं। हालांकि बोर्ड (पीसीबी) चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं देने पर अड़ा हुआ है। पीसीबी सूत्रों ने यह भी बताया कि नकवी 2025 के दौरान भारत को तटस्थ स्थल पर टी20 सीरीज के लिए आमंत्रित करेंगे, जब वह 19-22 जुलाई को श्रीलंका के कोलंबो में होने वाले आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में बीसीसीआई सचिव जय शाह से मिलेंगे।

पीसीबी सूत्र ने कहा, %मोहसिन नकवी और जय शाह (बीसीसीआई सचिव) की बैठक के दौरान इस प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी, जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी के बाद दोनों टीमों के खाली दिनों के दौरान मैच संभावित रूप से निर्धारित किए जाएंगे।% यह चर्चा वार्षिक सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने जा रही है। एजेंडे में चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों को किसी तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करने की संभावना शामिल है, खासकर भारत सरकार और बीसीसीआई द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद, जिसमें संकेत दिया गया था कि सुरक्षा और राजनीतिक चिंताओं के कारण मेन-इन-ब्लू को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

पाकिस्तान ने कहा है कि वह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय क्रिकेट टीम के सभी मैच (सीटी) लाहौर में खेले जाएं और भारतीय टीम पूरी श्रृंखला के दौरान एक ही होटल में रुकेगी। इसने यह भी कहा कि एक शहर में होने से मेहमान टीम को पूरी सुरक्षा प्रदान करना आसान हो जाएगा। इसके अलावा पीसीबी ने हाल ही में घोषणा की कि उसने लाहौर में गद्दाफी क्रिकेट स्टेडियम के बगल में एक 5-सितारा होटल बनाने के लिए जमीन खरीदी है। सूत्रों ने खुलासा किया कि पीसीबी ने होटल का निर्माण खुद करने की योजना बनाई है और अगले साल की शुरुआत तक निर्माण पूरा करने की योजना है। पीसीबी के सूत्रों ने कहा कि नवनिर्मित 5-सितारा होटल टीमों को दूर के होटलों में ठहरने की जरूरत को खत्म कर देगा जिससे सुरक्षा के लिए सड़क बंद होने की समस्या खत्म हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि कोलंबो में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान पीसीबी प्रमुख और जय शाह की भी मुलाकात होने की उम्मीद है।

सूत्रों ने कहा कि नकवी शाह को भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। हालांकि बीसीसीआई नहीं बल्कि भारत सरकार ही इस पर अंतिम फैसला लेगी। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले साल एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था, जिसके कारण मैच श्रीलंका में आयोजित किए गए थे। भारत और पाकिस्तान ने 2012 के बाद से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है,

एनसीए के नये प्रमुख बन सकते हैं विक्रम राठौर, सितंबर में समाप्त हो रहा लक्ष्मण का कार्यकाल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर अब बैंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के नए प्रमुख बन सकते हैं। टी20 विश्वकप के साथ ही उनका बल्लेबाजी कोच के रुप में अनुबंध समाप्त हो गया था। वर्तमान एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का कार्यकाल सितंबर में समाप्त हो रहा है और वह इसे आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह के श्रीलंका से लौटने के बाद एनसीए एनसीए के नये प्रमुख की घोषणा होगी। इससे पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह लक्ष्मण से बात करेंगे। राठौर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान छह टेस्ट और सात एकदिवसीय खेले हैं। वह अगस्त 2019 में बल्लेबाजी कोच बने थे। नवंबर 2021 में राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के बाद भी उन्हें बल्लेबाजी कोच के रूप में बनाये रखा गया। वहीं माना जा रहा है कि लक्ष्मण आईपीएल टीम लखनऊ सुपरजायंट्स के साथ जुड़ सकते हैं। वह फ्रेंचाईजी की कोचिंग स्टाफ में शामिल हो सकते हैं।

शमी बोले, धोनी से पता चला कब खेल को कहना चाहिये अलविदा

मुम्बई। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि जब टीम से बाहर किये जाने की संभावना दिखने लगे तो संन्यास ले लेना ही सही रहता है। शमी ने कहा कहा कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से ये बात उन्हें पता चली। शमी ने आगे कहा, मैंने जब धोनी से पूछा कि एक खिलाड़ी को कब संन्यास लेना चाहिए। तो उन्होंने कहा कि खेल से बोर होने और निकाले जाने की संभावना जब लगने लगे तो संन्यास लेना ही बेहतर रहता है। इसके अलावा जब आपको खेलते समय आनंद नहीं आता है तो भी ये एक संकेत है कि आपका सही समय आ गया है। बेहतर होगा कि आप संन्यास के लिए सबसे अच्छा समय चुनें क्योंकि अगर आप किसी विशेष प्रारूप को बनाए नहीं रख सकते हैं तो आपका शरीर आपको बताना शुरू कर देता है। यही वह समय है जब एक खिलाड़ी को मान लेना चाहिये कि अब अलविदा कहना ही सही रहेगा। हाल में टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविन्द्र जडेजा ने टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। गौरतलब है कि धोनी विश्व के महान विकेटकीपर बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं और खेल के तीनों ही प्रारुपों में उनका शानदार प्रदर्शन रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में धोनी ने 44.96 की औसत से 17,266 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

पेरिस ओलंपिक 2024 : भारतीय तीरंदाजी दल में 'दागी' फिजियो की मौजूदगी पर विवाद

पेरिस (एजेंसी)। ओलंपिक एक्रिडिटेशन नहीं मिलने के कारण मुख्य कोच कोरिया के बाक चूंग के यहां से लौटने के बाद भारतीय तीरंदाजी दल 'दागी' फिजियो की मौजूदगी के कारण एक बार फिर से विवादों में फंस गया है। भारतीय तीरंदाजी दल में चूंग और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता हाई परफार्मेंस निदेशक संजीव सिंह को एक्रिडिटेशन नहीं मिला।

भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने खुलासा किया कि इन दोनों की जगह फिजियो अरविंद यादव को दल में शामिल किया गया है। यादव पर पिछले साल नवंबर में आयरलैंड के लिमरिक में युवा विश्व चैंपियनशिप के दौरान कनाडा की एक किशोर खिलाड़ी के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगा था। इस अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता प्रबंधक थॉमस ऑबर्ट की शिकायत के अनुसार, यादव ने सोशल मीडिया पर कनाडा की एक किशोर तीरंदाज के साथ अनुचित व्यवहार किया था।'

यादव से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'यह मुझे बदनाम करने की साजिश है। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। तब एएआई ने मेरे खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? अगर ऐसा था तो किसी तीरंदाज को मेरी नियुक्ति पर आपत्ति क्यों नहीं की।' एएआई सूत्र ने दावा किया कि यादव संस्था के महासचिव वीरेंद्र सचदेवा के बहुत करीबी हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी कोई शीर्ष प्रतियोगिता होती है तो वह इस तरह से दल में जगह बना लेता है। वह रियो ओलंपिक में भी दल में शामिल था। वह पिछले साल एशियाई खेलों के दौरान टीम के साथ नहीं था।'

सूत्र ने कहा, 'इस बार भी वह तीन महीने पहले ही राष्ट्रीय शिविर से जुड़ा और उसे एक्रिडिटेशन मिल गया। एएआई चाहता तो उसके नाम को हटा कर मुख्य कोच को दल में शामिल कर सकता था।' एएआई अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने दागी फिजियो के बारे में बात करने से इनकार कर दिया।

यादव को शामिल किए जाने और पिछले साल की घटना के बारे में पूछे जाने पर मुंडा ने कहा, 'आप इसे क्यों उछाल रहे हैं? इस समय इसके बारे में बात न करें। अब एक और विवाद पैदा न करें।' मुंडा ने जोर देकर कहा कि तीरंदाज ही उन्हें सहयोगी स्टाफ का हिस्सा बनाना चाहते थे। मुंडा ने कहा, 'यह एक मुश्किल निर्णय है जो खिलाड़ियों की सुविधा और वे टीम में किसे चाहते हैं इस पर निर्भर करता है और महासंघ इसे प्राथमिकता देता है। एएआई इसमें हस्तक्षेप नहीं करता है, हम टीम में किसी को मजबूर नहीं करना चाहते हैं।'

रोहित और ऋषभ हैं द्रविड़ और धोनी के प्रशंसक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जहां भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का काफी सम्मान करते हैं। वहीं टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को अपना आदर्श मानते है। रोहित ने कहा कि द्रविड़ से मेरा रिश्ता काफी पुराना है। मैंने पहली बार जब आयरलैंड के खिलाफ खेला था तो वह टीम के कप्तान थे। वह हम सभी के लिए एक आदर्श रहे हैं। हमने देखा है कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से और टीम के लिए क्या हासिल किया है। वह हमें कठिन हालातों से बाहर निकालते रहे हैं। पूरे करियर में उनका दृढ़ संकल्प कुछ ऐसा था जिसे मैं सीखना चाहता था जब वह एक कोच के रूप में आए थे। तो ये टीम के लिए काफी अच्छा साबित हुआ। उनके मार्गदर्शन में हमने काफी सफलताएं हासिल की हैं। वहीं ऋषभ ने धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा, धोनी न केवल मैदान पर, बल्कि मैदान के बाहर भी हमेशा मेरा समर्थन और मार्गदर्शन करने के लिए मौजूद रहते हैं। जब भी किसी प्रकार का संशय होता है तो वह मुझे अपनी विचार प्रक्रिया विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं। द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है। वहीं धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब केवल आईपीएल में खेलते हैं।

निराशा को पीछे छोड़कर दमदार प्रदर्शन के लिए तैयार है ये हॉकी खिलाडी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी खिलाड़ी सुखजीत सिंह छह साल पहले की निराशा को पीछे छोड़कर 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक में टीम के लिए दमदार प्रदर्शन करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सुखजीत का दाहिना पैर पीठ की चोट के कारण अस्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गया था। भारत के लिए 2022 में पदार्पण करने वाले अग्रिम पंक्ति के इस खिलाड़ी ने हॉकी इंडिया से जारी विज्ञप्ति में कहा, 'ओलंपिक में खेलना हमेशा से मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना रहा है। यह किसी भी खिलाड़ी के करियर का शिखर है और मैं इस अवसर को पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि मेरी कड़ी मेहनत और समर्पण सफल होगी। मैं अपनी भूमिका को प्रतिबद्धता के साथ पूरा करने के साथ पेरिस में अपना सब कुछ झोंककर कोच और टीम के विश्वास पर खरा उतरने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। जालंधर में जन्मे सुखजीत ने पिता अजीत सिंह (पंजाब पुलिस के पूर्व हॉकी खिलाड़ी) से प्रेरित होकर छह साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था। अच्छी शुरुआत के बावजूद सीनियर भारतीय टीम में उनकी राह आसान नहीं थी। सुखजीत को 2018 में सीनियर टीम के लिए मुख्य संभावित शिविर में शामिल किया गया था, लेकिन पीठ की गंभीर चोट के कारण उनका दाहिना पैर अस्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गया था। सुखजीत ने कहा, 'वह अवधि मेरे जीवन के सबसे कठिन समयों में से एक थी।

दो-तीन साल से महिला हॉकी टीम कर रही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : स्नेह राणा

मुंबई। रोहित शर्मा एंड कंपनी के हाल में टी20 विश्व कप ट्राफी जीतने से भारतीय महिला टीम को भरोसा मिला है कि वे अपनी पहली आईसीसी ट्राफी जीतने की मुहिम जारी रखेंगे। यह कहना है स्पिन आल राउंडर स्नेह राणा का। स्नेह राणा ने कहा, 'अगर आप पिछले दो-तीन साल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन देखो तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही है। आईसीसी ट्राफी जीतने की बात करें तो पुरुष टीम का उदाहरण देखिए, उन्हें ट्राफी जीतने में लगभग 10 साल लगे। वे लंबे समय से मेहनत और तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'कुछ बड़ा हासिल करना है तो यह रातोंरात नहीं होगा। इसमें समय लगेगा। इसके लिए काफी संघर्ष और बलिदान लगेगा। लेकिन अंत में हम ऐसा करेंगे। क्षेत्ररक्षण टीम के लिए चिंता का विषय रहा है लेकिन उनका कहना है कि इसमें सुधार करने के लिए जज्बे में कोई कमी नहीं हुई है। 2014 में पदार्पण करने वाली स्नेह राणा ने कहा, 'जब हम इतने मैच खेलते हैं तो गलतियों का काफी अधिक मौका होता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई खिलाड़ी इसमें खराब है। निश्चित रूप से जब आप मैदान पर होते हो तो आप अपने देश के लिए सर्वश्रेष्ठ करना चाहते हो। भारत के लिए 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 27 वनडे खेलने वाली स्नेह राणा ने कहा, 'जहां तक आईसीसी ट्राफी का संबंध है तो हम जितने ज्यादा मैच खेलेंगे, उतने ही अनुभवी बनेंगे। स्नेह राणा को एशिया कप अभियान के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है और उनके सामने सफेद गेंद की टीम में अपना स्थान हासिल करने की चुनौती है। उन्होंने कहा, 'जब मुझे टीम में शामिल नहीं किया गया तो मैं थोड़ी निराश हो गयी थी। आप भारत के लिए खेलना चाहते हो, भले ही यह टेस्ट क्रिकेट हो या फिर सफेद गेंद का क्रिकेट। बता दें कि भारतीय टीम शुक्रवार से श्रीलंका में शुरू हो रहे महिला एशिया कप में फिर खिताब बरकरार रखने की दावेदार है और टीम की असली परीक्षा अक्टूबर में टी20 विश्व कप और अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में होगी।

नीरज चोपड़ा की चोट पर कोच बार्टोनिट्ज ने दिया अपडेट, कहा- अब ठीक है, कड़ी ट्रेनिंग कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने उनकी फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीने से इस भाला फेंक एथलीट को परेशान करने वाली जांघ (एडक्टर) की चोट अब ठीक है और यह ओलंपिक चैम्पियन पेरिस के लिए कड़ी तैयारियों में जुटा है।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय चोपड़ा 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश की सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। लेकिन फिटनेस देखी जाये तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है। हालांकि बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, 'सब कुछ योजना के अनुसार है। फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है। उम्मीद है कि ओलंपिक तक ऐसा ही रहेगा।'

बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से चोपड़ा से जुड़े हैं। उन्होंने तुर्किये के अंताल्या से विशेष साक्षात्कार में बताया, 'ओलंपिक में अभी दो हफ्ते से अधिक समय बचा है इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है। वह पूरा 'थ्रोइंग' सत्र कर रहे हैं।' चोपड़ा ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था। उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की। फिर चोपड़ा ने सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भी नहीं खेलने का फैसला किया और कहा कि यह प्रतियोगिता उनके कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी।'

पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालिफिकेशन दौर से शुरू होगी जिससे अभी इसे शुरू होने में दो हफ्ते हैं। जब बार्टोनिट्ज से चोपड़ा की ट्रेनिंग कार्यक्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हम सुबह में 'स्प्रिंटिंग', 'जॉपिंग' या 'थ्रोइंग' या 'वेटलिफ्टिंग' के सत्र रखते हैं। सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है।'

उन्होंने कहा कि चोपड़ा का तरीका तोक्यो ओलंपिक से पहले अपनाये गये तरीके जैसा ही है जिसमें वह टूर्नामेंट के बजाय ट्रेनिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और वह अपने 'ग्रोइन' पर दबाव कम करने के लिए अपनी 'ब्लॉकिंग' करने वाले पैर को मजबूती देने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सामान्यतह भाला फेंकना 'ब्लॉकिंग' (तेजी से भागते हुए अच्छी तरह रुककर भाला फेंकना) पर निर्भर करता है। भागते हुए आप जितनी अधिक ऊर्जा से आएंगे, उतना ही बेहतर होगा।'

इस सत्र में शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों में से किसी ने भी असाधारण प्रदर्शन नहीं किया है और बार्टोनिट्ज ने हमेशा की तरह कहा कि वह चोपड़ा की पदक की संभावनाओं की भविष्यवाणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक में काफी कुछ दांव पर लगा होता है और काफी दबाव होता है जिससे कुछ भी हो सकता है। आंकड़ों के आधार पर पदक का अनुमान लगाना मुश्किल है।'

कोच ने कहा, 'सभी शीर्ष एथलीट अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी कर रहे है। वे पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और पदक जीतना चाहते हैं। उनकी तरह ही हम भी दावा कर सकते हैं कि नीरज जीत सकते हैं। पर पदक जीतने की संभावना पक्षपातपूर्ण हो सकती है जिसमें गड़बड़ी भी हो सकती है।% इस साल सिर्फ जर्मनी के मेक्स डेहिंग ही 90 मीटर से अधिक भाला फेंकने वाले एकमात्र एथलीट हैं।

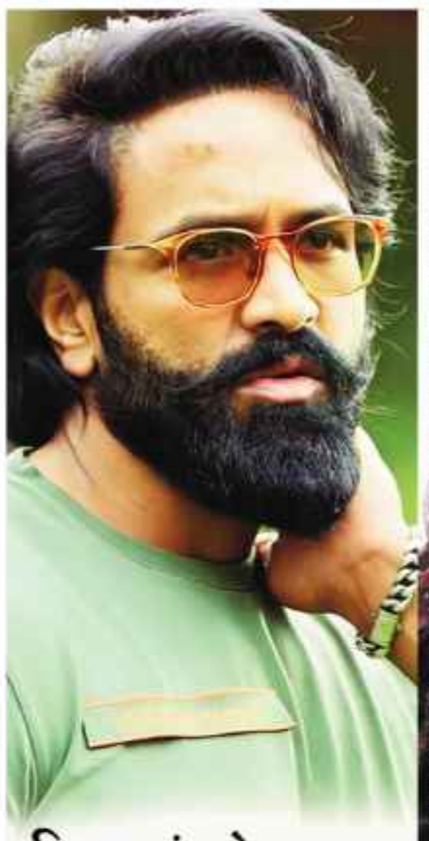

विष्णु मांचू ने उठाया कन्नप्पा की रिलीज की तारीख से पर्दा!

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है। आखिरकार अभिनेता ने फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। 18 जुलाई को विष्णु मांचू ने अपनी आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए यह जानकारी दी कि फिल्म दिसंबर 2024 में रिलीज होगी। कन्नप्पा एक पौराणिक फिल्म है, जो पूरी होने वाली है। मई में फिल्म का टीजर प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। बाद में 14 जून को भारत में टीजर रिलीज किया गया और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। विष्णु मांचू ने एक्स पर कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, दिसंबर 2024 कन्नप्पा, हर हर महादेव। वहीं फिल्म की कहानी की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार ने किया है।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा की रिलीज डेट में हुआ बदलाव

शाहिद कपूर की आगामी फिल्म देवा है। यह फिल्म इस साल दशहरा के मौके पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बदल गई है। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म है। मेकर्स ने आज फिल्म से शाहिद कपूर का लुक साझा किया है। इसमें अभिनेता इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। शाहिद फिल्म में पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। शाहिद कपूर के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का पोस्टर साझा किया गया है। इसमें वह काफी रफ-टफ दिख रहे हैं। वर्दी पहने हाथ में गन थामे अभिनेता की नजर अपने लक्ष्य पर है। शाहिद कपूर की यह फिल्म बेशक एक्शन से भरपूर है, लेकिन दर्शकों के सामने यह मोहब्बत के महीने में आएगी। फिल्म वैलेंटाइन्स डे के मौके पर 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी।

शाहिद कपूर ने पोस्ट के साथ लिखा है, एक हिंसक वैलेंटाइन डे के लिए तैयार हो जाइए, देवा 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी!

सायंतनी घोष ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य शुरू से ही मेरा जुनून रहा है

शो दहेज दासी में अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करने वाली एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य शुरू से ही उनका जुनून रहा है। हालांकि उन्हें कभी भी इसे औपचारिक रूप से सीखने का मौका नहीं मिला। सायंतनी ने कहा कि जब मैं छह या सात साल की थी, तब मेरे माता-पिता ने मुझे कुछ महीनों के लिए एक सामान्य नृत्य कक्षा में डाल दिया था। उस समय आप ज्यादा कुछ सीख नहीं पाते हैं, मैं शुरू से ही यह करना चाहती थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे विशेष रूप से भारतीय शास्त्रीय नृत्य पसंद है, लेकिन अभी तक मुझे इसे सीखने का मौका नहीं मिला है। नृत्य के प्रति मेरा प्यार पहला संकेत था कि मैं एक एक्ट्रेस बनना चाहती थी। कोलकाता में पली-बढ़ी सायंतनी के स्कूल में अक्सर नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के नृत्य नाटकों का प्रदर्शन किया जाता था, जिसमें नृत्य के साथ अभिनय और भावनाओं का मिश्रण होता था। सायंतनी ने बताया कि मैं अपने स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बहुत सक्रिय थी। तभी से मेरा झुकाव रचनात्मक क्षेत्र की ओर हुआ। भले ही मैंने औपचारिक रूप से नृत्य नहीं सीखा है, लेकिन मुझे यह पसंद है। बस म्यूजिक चलाने की जरूरत है, और मैं डांस करने के लिए तैयार रहती हूं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इंडस्ट्री ने मेरे हुनर को पहचाना और उसे सम्मान दिया है। जब भी लोग ऐसी अभिनेत्रियों के बारे में बात करते हैं जो अच्छा नृत्य कर सकती हैं, तो मेरा नाम निश्चित रूप से उस सूची में आता है। अपने शो में एक डांस सीन पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जब शो में डांस की बात आई तो मैं बेहद उत्साहित थी। उन्होंने कहा कि हम एक महा एपिसोड कर रहे थे जहां एक तांडव की आवश्यकता थी, वह काली शक्तियों को जीवंत करने के लिए तांडव कर रही थी। सबसे अच्छी बात यह थी कि मुझे इसे कोरियोग्राफ करने का मौका मिला। मेरे निर्माता जानते थे कि मैं एक अच्छी डांसर हूं और उन्होंने मुझे नृत्य को कोरियोग्राफ करने का अवसर दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि तांडव में काली शक्तियों को बुलाने के लिए अत्यधिक ऊर्जावान होना जरूरी है, और मैंने इसमें अपनी दिल और आत्मा झोंक दी। इसके बाद जो प्रतिक्रिया सामने आई वह अद्भुत थी।

किल के लिए राघव को मिल रही तारीफ के बीच बोले अभिनेता

राघव जुयाल टीवी जगत के नामी चेहरा रहे हैं, जो कई फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। टीवी पर वह कई शोज मे डांसिंग और मेजबानी करते नजर आए हैं। इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल के लिए चर्चा में हैं। इस फिल्म में वो अपने अब तक अपने सबसे अलग किरदार में नजर आए हैं। फिल्म दर्शकों को काफी पसंद भी आ रही है। कुछ दिनों पहले ही फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी, जिसमें कई बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल हुई थीं। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान राघव ने बताया कि उन्हें खुद को पर्दे पर देखना कैसा लगता है। राघव को फिल्म इंडस्ट्री से उनके अभिनय के लिए काफी सराहना मिल रही है। एक इंटरव्यू के दौरान राघव जुयाल ने किल को मिली सफलता और उनके अभिनय को लेकर मिल रही प्रतिक्रिया पर बात की है। उन्होंने इस दौरान खुलासा करते हुए बताया कि उनकी अभिनेता विक्की कौशल ने व्यक्तिगत रूप से सराहना की है। इस दौरान विक्की ने उन्हें फोन भी किया। फोन पर उन्होंने लगभग एक घंटे तक राघव से बातचीत भी की। उनके अभिनय को मिल रही सराहना के बीच अभिनेता ने कहा कि उन्हें खुद को पर्दे पर देखना अटपटा लगता है। उन्होंने कहा, जब मैं खुद को पर्दे पर देखता हू, तो मुझे काफी अटपटा सा लगता है। मैं खुद को अभिनय करता हुआ नहीं देख सकता।

म्यूजिक को जिंदगी मानते हैं आयुष्मान

अभिनेता आयुष्मान खुराना बॉलीवुड में अलग तरह की फिल्में करने के लिए मशहूर हैं। फिल्म विक्की डोनर से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, विक्की डोनर के बाद अभिनेता की कई फिल्में फ्लॉप लिस्ट में भी शामिल हुई। अब अभिनेता ने अपने फिल्मी करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। हाल ही में, आयुष्मान खुराना ने अपना नया सिंगल रिलीज किया था, जिसका नाम है रह जा। आयुष्मान ने न सिर्फ इस गाने को लिखा है, बल्कि इसे कंपोज भी किया है और गाया भी है, जिसमें हरजोत कौर को फीमेल वोकल्स का श्रेय दिया है। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बिहाइंड द गीत वीडियो जारी किया, जिसमें इस गाने को बनाने के पीछे की झलक दिखाई गई। आयुष्मान से पूछा गया, आपके जीवन में संगीत का क्या महत्व है? इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा, यह मेरा जीवन है। मैं संगीत के बिना काम नहीं कर सकता। मैं फिल्मों के बिना रह सकता हूं, लेकिन मैं संगीत के बिना नहीं रह सकता। आयुष्मान द्वारा लिखित, गाया गया सबसे लोकप्रिय गाना उनकी पहली फिल्म विक्की डोनर का पानी दा रंग है। इसके बाद उन्होंने रोहन सिप्पी की फिल्म नौटंकी साला में साडी गली आजा और तू ही तू गाना गाया। उनके कुछ और लोकप्रिय फिल्म ट्रैक हैं, दिल-ए-नादान और मोह मोह के धागे का रीप्राइज हारेया, मेरे लिए तुम काफी हो और फिल्म शुभ मंगल सावधान से अरे प्यार कर ले। वर्कफ्रंट की बात करें तो फिलहाल आयुष्मान खुराना का फोकस अपने म्यूजिक करियर पर है। उन्होंने वार्नर म्यूजिक इंडिया से हाथ मिलाया है। उनका गाना अंख दा तारा हाल ही में रिलीज हुआ, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस आयुष्मान को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं।

नोरा फतेही ने पूरी की रेट्रो सॉन्ग की शूटिंग, वरुण तेज की मटका के अगले शेड्यूल पर आया अपडेट

वरुण तेज की आगामी पीरियड एक्शन फिल्म मटका को लेकर प्रशंसकों में उत्साह बरकरार है। इसी बीच इसके शूटिंग शेड्यूल पर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्माताओं ने इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे प्रशंसकों को एक और बड़ी खुशखबरी सुनाई है। फिल्मांकन का एक चरण पूरा हो चुका है। साथ ही अगले शेड्यूल की भी जानकारी सामने आ गई है। मटका के निर्माताओं ने फिल्म का एक दिलचस्प पोस्टर जारी किया है। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, मटका आरएफशी शेड्यूल पूरा हो गया। टीम ने आरएफसी में लंबा और महत्वपूर्ण शेड्यूल पूरा कर लिया है, जिसमें कई महत्वपूर्ण दृश्य, हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और विद्युत रेट्रो-थीम वाले गाने शूट किए गए। नया शेड्यूल वर्तमान में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अधिक रोमांचक अपडेट जल्द ही लोड हो रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पोस्टर में नजर आ रहीं महिला कोई और नहीं बल्कि अभिनेत्री नोरा फतेही हैं, जो तेलुगु फिल्म का हिस्सा भी हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने हाल ही में एक रेट्रो गाने की शूटिंग की है। निर्माताओं ने यह भी घोषणा की है कि मटका का नया शेड्यूल फिलहाल विजाग में चल रहा है। वरुण तेज फिल्म में अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जिसके लिए उन्हें अलग-अलग मेकओवर से गुजरना होगा क्योंकि कहानी 1958 से 1982 तक तक फैली हुई है।

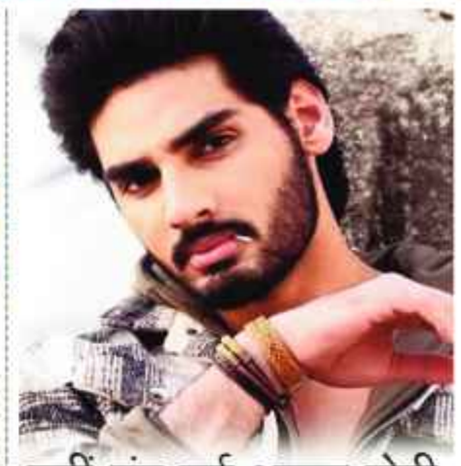

नहीं बंद हुई अहान शेट्टी की सनकी, अफवाहों पर लगा विराम

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सनकी को लेकर जोर शोर से तैयारियां कर रहे हैं। इस फिल्म को साजिद खान के प्रोडक्शन हाउस की ओर से बनाया जा रहा है। हाल ही में इस फिल्म का एलान किया गया था, जिसके बाद लोग सोशल मीडिया पर इसको लेकर अपना उत्साह भी व्यक्त किया था। हालांकि, इसके बाद फिल्म की शूटिंग को लेकर कोई अपडेट नहीं आया। इस बीच 16 जुलाई को एक रिपोर्ट छपी कि अहान शेट्टी के खर्चों को देखते हुए साजिद नाडियाडवाला फिर से विचार रहे हैं कि इस फिल्म को शुरू करना है या नहीं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब फिल्म के निर्माता ने इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए सनकी से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन के आधिकारिक हैंडल ने इन अफवाहों को संबोधित करते हुए पोस्ट में लिखा, हम 18 अगस्त को सनकी शुरू कर रहे हैं। हम सभी मीडिया घरानों से अनुरोध करते हैं कि वे ऐसी अफवाहों से बचें और प्रकाशन से पहले हमारे साथ खबर को सत्यापित करें। इससे पहले हाल ही में एक समाचार पोर्टल में सूत्र के हवाले से यह खबर छपी थी कि साजिद नाडियाडवाला अभिनेता अहान शेट्टी के साथ काम करने वाली उनकी टीम के लोगों के अत्यधिक खर्चों की वजह से फिल्म को शुरू करने को लेकर असमंजस में हैं।

किल में राघव जुयाल के एक्शन के मुरीद हुए विक्की

राघव जुयाल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। फिल्म की रिलीज के बाद हर कोई राघव के अभिनय की खूब सराहना कर रहा है। इस बीच, हाल ही में, एक इंटरव्यू में राघव ने खुलासा किया कि कैसे अभिनेता विक्की कौशल को उनकी फिल्म काफी पसंद आई है। राघव ने बताया कि विक्की ने उनसे फोन पर बात कर उनके अभिनय की तारीफ की थी। हाल ही में बात करते हुए राघव जुयाल ने फिल्म की सफलता और इंडस्ट्री से मिल रही प्रतिक्रिया पर बात की। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री से मिली प्रतिक्रिया शानदार रही है। अभिनेता ने बताया, विक्की कौशल भाई को फिल्म और मेरा अभिनय इतना पसंद आया कि उन्होंने मेरे साथ एक घंटा बात की और मुझसे पूछा कि मैंने फिल्म के लिए कैसे तैयारी की और मैं अपने किरदार में इतना अंदर कैसे जा सकता हूं। राघव ने आगे कहा, मुझे समझ में नहीं आया कि मैं उन्हें क्या जवाब दूं, क्योंकि मैंने बस वही किया जो स्क्रिप्ट में लिखा था। अब भी, जब मैं खुद को स्क्रीन पर देखता हूं, तो मुझे बहुत काफी हैरत होती है। मैं खुद को परफॉर्म करते हुए नहीं देख सकता। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में 5 जुलाई को राघव ने एक छोटी क्लिप पोस्ट की थी, जिसमें वे किल फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान विक्की कौशल के साथ खुलकर बातचीत करते नजर आए थे। बातचीत करते हुए दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी और दोनों ब्लैक ड्रेस में ट्विनिंग कर रहे थे।

करण जौहर की अगली फिल्म में एक साथ नजर आएंगे जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर

शशांक खेतान की फिल्म धड़क में बॉलीवुड में डेब्यू करने के छह साल बाद, जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर एक बार फिर स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। यह रीयूनियन धर्मा प्रोडक्शंस के सौजन्य से हो रहा है, जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नीरज घायवान मुख्य भूमिका में हैं। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन में है और इस अक्टूबर में भोपाल में फिल्मांकन शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म में विशाल जेठवा भी होंगे, जिन्हें पहले टाइगर 3 में देखा गया था। रिपोर्ट में इस आगामी प्रोजेक्ट को भावनात्मक मानवीय नाटक बताया गया है। फिल्म कपूर और खट्टर दोनों के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश करती है। विकास से जुड़े एक सूत्र ने साझा किया, यह एक अच्छी तरह से लिखा गया, कलाकारों से भरा नाटक है जिस पर नीरज घायवान पिछले दो सालों से काम कर रहे हैं। जान्हवी और ईशान दोनों ही निर्देशक के काम की बहुत प्रशंसा करते हैं और जल्दी से इस फिल्म में शामिल हो गए क्योंकि इसमें उन्हें ऐसी भूमिकाएँ दी गई हैं जो धड़क में उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग हैं। वे अपनी पहली फिल्म के बाद से एक बार फिर साथ काम करने के लिए उत्सुक थे और नीरज की फिल्म में एक साथ काम करने का सही तरीका पाकर रोमांचित हैं।

श्रीजिता डे को उतरन से मिली पहचान

अभिनेत्री श्रीजिता डे अपना जन्मदिन मना रही हैं। श्रीजिता कई टीवी शो में काम कर चुकी हैं, उन्हें उतरन सीरियल में मुक्ता राठौर के किरदार के लिए खासतौर से जाना जाता है। वह रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 16 में भी हिस्सा ले चुकी हैं। श्रीजिता ने शो कसौटी जिंदगी की से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2008 में वह बॉलीवुड फिल्म टशन में पार्वती के रोल में नजर आई श्रीजिता अन्नू की हो गई वाह भाई वाह, तुम्ही हो बंधु, सखा तुम्ही और कोई लौट के आया है जैसे शो में भी काम कर चुकी हैं।

साइकिल चलाकर नशा मुक्ति के साथ पर्यावरण संरक्षण का दे रहे हैं सन्देशः डॉ. अशोक

समाचार गेट/ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख श्री ओपी सिंह साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में हरियाणा को नशा मुक्त करने के लिए दो प्रकार से कार्य किया जा रहा है। एक अपराधियों को पकड़ना और दूसरा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से नशा मुक्त अभियान को सफल करना। ब्यूरो द्वारा पुलिस उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा को जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी नियुक्त किया है। वे आज हरियाणा के अनेक जिलों में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम के पश्चात कुरुक्षेत्र में पहुंचे हुए थे। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी / उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा आज श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र में पहुंचे और साथ ही साइकिल यात्रा निकाल कुरुक्षेत्र में नशे के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया। वे पुरे हरियाणा में साइकिल पर ही यात्रा कर रहे हैं। विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुलश्रेष्ठ की अध्यक्षता में एक दिवसीय नशे के विरुद्ध जागरूक कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य अनिल कुलश्रेष्ठ ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए बताया डॉ. वर्मा पुलिस के साथ-साथ समाजसेवा का कार्य भी कर रहे हैं विशेष रूप से रक्तदान और पर्यावरण संरक्षण। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति माता पिता होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रश्न किया कि क्या किसी के माता पिता ने कोई नशा सेवन के लिए दिया। सभी का एक ही उत्तर था न। उन्होंने नशे पर चर्चा करते हुए कहा कि यद्यपि बीड़ी सिगरेट तम्बाकू जर्दा खैनी शराब आदि पर सरकार ने प्रतिबंध नहीं लगाया लेकिन इनके ऊपर बड़े बड़े बड़े अक्षरों में लिखा है कि यह स्वास्थ्य के

लिए हानिकारक है और साथ ही कैंसर का फोटो लगाया हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार संसार में प्रतिवर्ष 80 लाख लोग नशे से मरते हैं और भारत में यह संख्या 19 लाख है। प्रतिबंधित नशों पर चर्चा करते हुए कहा कि नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के अंतर्गत अफीम चरस भांग हेरोइन स्मैक चिट्टा एलएसडी आदि रखना सेवन करना खरीदना बेचना प्रतिबंधित है। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा वर्ष 2023 में 3823 अभियोग अंकित कर 5460 नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा है जबकि 2024 के प्रथम 6 माह में 1653 अभियोग अंकित कर 2196 नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। बार बार नशा तस्करी में संलिप्त 89 अपराधियों की संपत्ति पर पीला पंजा चलाया गया है। उन्होंने कहा कि अज्ञानता लोभ और अशिक्षा के कारण कोई नशे के चक्रव्यूह में न फंसे इसीलिए विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहने को निरंतर जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने ब्यूरो का हेल्पलाइन नंबर 9050891508 विद्यार्थियों को बताया और कहा कि इस पर नशा तस्करों की गुप्त सूचनाएं दी जा सकती है। उन्होंने युवाओं के साथ वार्तालाप के माध्यम से भी चर्चा की और बताया कि नशे के लिए सबसे निकट का व्यक्ति प्रेरित करता है और वह मित्र, चलचित्र, अड़ौसी-पड़ौसी, रिश्तेदार और ईष्यालु यार के रूप में आ सकता है। ऐसे लोगों से सावधान रहने के साथ साथ इनकी संगत से दूर रहें और बुरी संगत से अकेला रहना ही हितकर है। उन्होंने नशेड़ी के जीवन पर परिचर्चा करते हुए कहा कि कोई व्यक्ति नशेड़ी से बात करना पसंद नहीं करता लेकिन सच्चाई यह है कि वह पहले ऐसा नहीं था। इसके पीछे के कारणों पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि यह यात्रा शौक से आरम्भ होकर शोक सन्देश पर समाप्त होती है। व्यक्ति नशे नहीं बनना चाहता लेकिन नशे की लत उसे इस श्रेणी में ला खड़ा करती है। उन्होंने कहा कि पुलिस का कार्य आपूर्ति की श्रृंखला को समाप्त करने के साथ साथ मांग को समाप्त करने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने विभिन्न कविताओं के माध्यम से भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने को जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई गयी। डॉ. वर्मा ने कुरुक्षेत्र में 22 किलोमीटर साइकिल चलाकर नशा मुक्ति के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया।

वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांग के लिए जाँच एंव माप शिविर का आयोजन

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। महावीर इन्टरनेशनल सोशल फाउण्डेशन, फरीदाबाद एवं आरडब्लूए सैक्टर-21, एवं वरिष्ट नागरिक समीति के तत्वावधान में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिमको) के सहयोग से वरिष्ट नागरिक एवं दिव्यांग के लिए जाँच एंव माप शिविर सीनियर सिटीजन क्लब सेक्टर-21ए में लगाया गया। शिविर का उदघाटन वरिष्ट भाजपा नेता अश्वनी त्रिखा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महावीर इन्टरनेशनल सोशल फाउण्डेशन के अजीत पटवा,पूर्व बिग्रेडियर एम.एन माथुर,,अशोक नेहरा,दिनेश कुशवाहा,उमेश अरोड़ा,डॉ.पी.एस यादव मुख्य रूप से मौजूद थे। इस मौके पर अश्वनी त्रिखा ने कहा कि समाजसेवा का काम हमेशा आपसी सहयोग से किया जाता है और यह शिविर इस बात का जीता जागता उदाहरण है जिसमें वरिष्ट नागरिको और दिव्यांगों की समस्या को एक छत से नीचे बखूबी सभी मिलकर हल कर रहे है।

अजीत पटवा ने बताया कि वरिष्ट नागरिकों एवं दिव्यांगजों के सरल जीवन यापन करने हेतू तथा चलने फिरने एवं सुनने में सहयोग करने वाले सहायक उपकरण देने के लिए आज जांच-माप शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें वरिष्ट नागरिकों के लिए पात्रता-आधार कार्ड (60 वर्ष एवं अधिक), आय प्रमाण पत्र (मासिक आय रु0 15000/- अधिकतम) तथा दिव्यांग नागरिकों के लिए पात्रता-यूडीआईडी कार्ड (न्यूनतम दिव्यांगता 40प्रतिशत से अधिक) आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र (मासिक आय रु0 22,500 /- अधिकतम) रखी गई थी। इसके अलावा लाभार्थी द्वारा 3 वर्षों के दौरान कोई उपकरण प्राप्त नहीं किया हो। मोटराज्ड ट्राईसाइकिल एवं स्मार्टफोन के लिए 5 वर्ष के दौरान ये सामग्री प्राप्त नहीं की हो।

उन्होंने बताया कि इस शिविर में लगभग 50 लोगों ने भाग लिया। उन्होंने इस पूरे कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सहयोगियों का कोटि कोटि धन्यवाद है। उन्होंने कहा कि महावीर इन्टरनेशनल सोशल फाउण्डेशन समाजसेवा में कभी पीछे नहीं रहा है क्योंकि इसके पदाधिकारी से लेकर कार्यकताओं में दूसरों की सेवा करने का जज्बा कूट कूटकर भरा है।

संक्षिप्त समाचार

नशे के 22 इंजेक्शन सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेन्ट्रल की टीम ने नशा तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार आजाद नगर बल्लबगढ़ का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सुचना से गस्त के दौरान बल्लबगढ़ बस स्टेण्ड से काबु किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से नशे के इंजेक्शन बरामद हुए है। आरोपी के खिलाफ थाना शहर बल्लबगढ़ में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे के इंजेक्शनों को पलवल व जेवर में किसी व्यक्ति से फुटकर में बेचकर मुनाफा कमाने के लिए 3500 रुपए में खरीद कर लाया था। आरोपी को मामले में पूछताछ के लिए अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

8 किलो 810 ग्राम चुरा डोडा पोस्त सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अपराध शाखा अपराध शाखा सेक्टर-65 की टीम ने चुरा डोडा पोस्त सहित आरोपी गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ओमनेन्द्र उत्तर प्रदेश के बदायू जिले के गांव सकितागंज का तथा हाल में पर्वतीय कॉलोनी का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सुचना से सेक्टर 63 एरिया से काबु किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर 8.810 किलोग्राम चुरा डोडा पोस्त बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना आदर्श नगर में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने चुरा डोडा पोस्त को उत्तर प्रदेश के बरेली में किसी व्यक्ति से 20000 रुपए में खरीद कर लाया था। जिसे बेचकर मुनाफा कमाना चाहता था। आरोपी को पूछताछ के लिए अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अपराध शाखा क्स्थ की टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी नरेन्द्र शाह निवासी कुबेर कालोनी, गांव जाजरू फरीदाबाद में रहता है तथा मूल रूप से बिहार के आरा जिले के गांव मदुरा रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपी को अपराध शाखा टीम ने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर उसके घर कुबेर कालोनी से काबु किया है। आरोपी के घर से कट्टे, बैगो में मादक पदार्थ गांजा वाणिज्यिक मात्रा में बरामद किया गया है जिसका वजन 195.810 किलोग्राम है। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर 58 में नशा तस्करी की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज करके पूछताछ की गई जिसमें प्राथमिक पूछताछ पर सामने आया कि आरोपी ने यह नशा 3-4 दिन पहले उड़ीसा से मंगवाया था। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस का एक मुकदमा दिल्ली में भी दर्ज है। नशा तस्करी के मामले में गहनता से पूछताछ करने के लिए आरोपी को अदालत में पेश करके आगामी कार्रवाई के लिए पुलिस रिमांड लिया जाएगा और नशा सप्लाई करने वाले उसके साथी की धरपकड़ की जाएगी।

नाले में गिरे बुजुर्ग का शव बीस दिन बाद मिला

समाचार गेट/ब्यूरो

परिजनों ने पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप

फरीदाबाद। बीती रात सैक्टर-22 स्थित नाले में एक बुजुर्ग का शव तैरता हुआ मिला। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।मृतक की पहचान रामेश्वर शर्मा निवासी जवाहर कॉलोनी के रूप में हुई है। जो 20 दिन पहले नाले में गिर गया था। मृतक के परिजनों और चश्मदीदों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है।स्थानीय निवासी रोहतास और समाजसेवी डोली ने बताया कि आज सफाई के दौरान नाले में बुजुर्ग का शव बरामद किया गया है। बीते 30 जून को यह बुजुर्ग नाले में गिर गया था।

पुलिस उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने किया 169 वीं बार रक्तदान और 81 बार दे चुके प्लेटलेट्स

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा पुलिस के उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा पुलिस विभाग के सर्वोच्च रक्तदाता हैं। उन्होंने आज फरीदाबाद बीके अस्पताल में जाकर स्वेच्छा से 169 वीं बार रक्तदान किया। इसके साथ ही वे अलग से 81 बार प्लेटलेट्स भी दान कर चुके हैं। वे अब हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो में जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी के रूप में नियुक्त हैं। नशा मुक्त हरियाणा अभियान को लेकर वे प्रायः साइकिल पर चलते हैं। आज प्रातः वे सबसे पहले रक्तदान के लिए बीके अस्पताल में पहुंचे और रक्तदान किया। रक्तदान करते हुए उन्होंने बताया कि रक्तदान से बढ़कर कोई अन्य पुण्य का कार्य नहीं है। उन्होंने आज नशे के विरुद्ध भी फरीदाबाद में साइकिल यात्रा निकाली। आज वे लगभग 24 किलोमीटर साइकिल पर चलकर फरीदाबाद में घूमें और अनेक स्थानों पर युवाओं को नशे के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिल अपनाने को कहा। युवाओं को सम्बोधित करते हुए पुलिस उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि ब्यूरो का एकमात्र उद्देश्य हरियाणा को नशा मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की सुई से बचना चाहिए लेकिन रक्तदान की सुई समाज के कल्याण के लिए है। एक इकाई रक्तदान से तीन लोगों को लाभ मिलता है। उन्होंने आगे कहा आज अनेक युवा नशे की सुई लगाकर अपने जीवन को काल के लिए ग्रास बना रहे हैं और असमय मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। उन्हें चाहिए कि वे एक स्वस्थ जीवन व्यतीत करें और नशे को न कहें और जीवन को हाँ कहें। बता दें कि डॉ. अशोक कुमार वर्मा राष्ट्रपति पुलिस पदक से विभूषित हैं। वे राष्ट्रीय स्वर्ण पदक शतकवीर विजेता, पर्यावरण प्रहरी के नाम से प्रसिद्ध हैं। उन्होंने रक्तदान करते हुए कहा कि रक्त नालियों में नहीं अपितु नाड़ियों में बहना चाहिए। आओ हम सब मिलकर शपथ उठाएं। रक्त के अभाव में न कोई जान जाए। जाति पाती से ऊपर उठकर मानवता की ज्योत जगाएं। हम सब हैं भारतवासी भारत देश का गौरव बढ़ाए। उन्होंने कहा कि वे सदा सरकारी अस्पताल के रक्त कोष में ही रक्तदान करते है। रक्त कोष में रक्त सदा होना चाहिए ताकि किसी को रक्त के लिए इधर उधर न भागना पड़े। ऐसी सोच होनी चाहिए कि रक्त यह प्रतीक्षा करे कि वह किसी के काम आवे न कि रक्त के लिए लोगों को प्रतीक्षा करनी पड़े।

राजू बैंसला ने दी उत्कर्ष चौधरी को जन्मदिन की बधाई

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। युवा भाजपा नेता राजू बैंसला(बाडका गांव पलवल) और किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मनोज भड़ाना,ललित भड़ाना,उत्कर्ष बैंसला,नीरज भड़ाना व कृष्ण भड़ाना ने आज युवा दिलो की धड़कन भाई उत्कर्ष चौधरी युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेशध्यक्ष को सेक्टर-28 स्थित कार्यालय जाकर उन्हें ढेर सारी जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। सभी ने उत्कर्ष चौधरी को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया तथा उनके हाथों से केक कटवाकर उन्हें खिलाया भी। इस मौके पर राजू बैंसला व मनोज भड़ाना ने कहा कि उत्कर्ष चौधरी यारों के यार,मिलनसार और छोटे से लेकर बड़ो तक सभी को मान सम्मान देने वाले व्यक्ति है तभी तो युवा उनको और आकर्षित होकर उनकी टीम के साथ तेजी से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में पलवल में जिस तरह उन्होंने और उनकी टीम ने काम किया वो काबिले तारीफ रही जिसकी हर जगह प्रंशसा हो रही है। उन्होंने कहा कि आज के दिन वे भगवान से प्रार्थना करते है कि उत्कर्ष चौधरी स्वस्थ रखे और उन्हें लम्बी आयु दे ताकि वो भी अपने परिवार के पदचिन्हों चलते हुए लोगों की सेवा करे। उत्कर्ष चौधरी ने कहा कि आप सभी युवा मेरी ताकत हो और मेरे जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए सभी का तहे दिल से धन्यवाद

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस 7262 के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष बने कृपाल सिंह

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। समाजिक कार्यों के प्रति ईमानदारी, निष्ठा, लगनशीलता एवं जुझारू कार्यशैली को देखते हुए संगठन को मजबुत करने हेतु कृपाल सिंह को अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस 7262 के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। कृपाल सिंह को नियुक्ति पत्र संगठन के जिला कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश बैनीवाल ने अपने हाथों से दिया। कृपाल सिंह ने अपनी इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश बैनीवाल, जय प्रकाश चांगेरे राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री और विनय वल्होत राष्ट्रीय महामंत्री को कोटि कोटि धन्यवाद किया है। कृपाल सिंह ने कहा कि मैं संगठन के संविधान का पालन करते हुए नियमो और उप नियमो को ध्यान में रखते हुए समाज के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयासरत रहुगां। इस मौके पर अशोक कीर,सुमेर चन्द,फिरोज पाल,रघुवीर बैनीवाल व राजेश वैध भी उपस्थित थे

रक्तदान करना सबसे पुनीत कार्य हैः एन.के गुप्ता

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। लांयस क्लब फरीदाबाद डेफोडिल,लायंस क्लब फरीदाबाद ग्रेटर यूथ व लांयस क्लब फरीदाबाद डायमंड ने पार्क ग्रेडयूरा आरडब्लूए के साथ मिलकर एक रक्तदान शिविर का आयोजन पार्क ग्रेडयूरा के सामुदायिक भवन में किया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में लायन एन.के गुप्ता(पीएमजीएफ) डिस्ट्रिक गर्वनर मौजूद थे। इसके अलावा मल्टीपल ऑफिसर लायन अनिल अरोड़ा(पीएमजेएफ) डिस्ट्रिक गर्वनर,योगेन्द्र तेवतिया क्लब के प्रधान,राजेन्द्र कुमार सचिव,सतीश गोयल कोषाध्यक्ष,ललित मोहन अग्रवाल प्रोजेक्ट चेयरमेन (ब्लड डोनेशन कैंप),अध्यक्ष मुकेश जैन, सचिव राम शर्मा, कोषाध्यक्ष सचिन गुप्ता, डेफोडिल से अध्यक्ष योगेन्द्र, निदेशक सुरेश शर्मा, डायमंड से निदेशक अनिल खुराना ने कैंप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिविर में 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। एन.के गुप्ता ने कहा कि रक्तदान करना सबसे पुनीत कार्य है। रक्तदान एक ऐसा जनहित का कार्य है, जोकि सौ पुण्यों के बराबर माना जाता है।

अनिल अरोड़ा ने कहा कि रक्तदाता सही मायनों में एक सच्चा सेवक और एक हीरो के समान होता है। रक्तदान देने वाले व्यक्ति को यह भी पता नहीं होता कि उनके द्वारा दिया गया रक्त किस जरूरतमंद को चढ़ाया जाएगा। यह एक ऐसा दान है जो कि सही अर्थों में सबसे फलदायक है। इस अवसर पर योगेन्द्र तेवतिया ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से कभी भी किसी को कोई नुक्सान नहीं होता, बल्कि रक्त का दान करने से शरीर में ब्लड की मात्रा निरंतर उच्च गुणवत्ता में ब्लड को बनाती रहती है। इस अवसर पर ईश दुरेजा, ललित मोहन, , मुकेश जैन, चारु गोयल, काजल अरोड़ा, जय दीप कात्याल, पायल अग्रवाल व सपना खुराना ने भी रक्तदान अभियान मे शामिल सभी व्यक्तियों का हार्दिक रुप से धन्यवाद दिया।

मजदूरों एवं स्कीम वर्करों ने किया प्रदर्शन, श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा पहुंचे मजदूरों की बीच

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। सीटू हरियाणा के आह्वान पर रविवार को सैंकड़ों मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर श्रम मंत्री के विधान सभा क्षेत्र में प्रदर्शन करने पहुंचे। प्रदर्शन को प्रमुख रूप से सीटू हरियाणा महासचिव जय भगवान, राज्य अध्यक्ष सुरेखा, उपाध्यक्ष सतवीर सिंह, आल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लाम्बा, निर्माण मजदूर यूनियन के अध्यक्ष सुखबीर सिंह, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के राज्य अध्यक्ष देवी राम, सीटू जिला प्रधान निरंतर पाराशर, सचिव वीरेंद्र डंगवाल ने संबोधित किया। प्रदर्शन के लिए मजदूर सेक्टर 12 टाउन पार्क में एकत्रित हुए और सीटू की राज्य अध्यक्ष सुरेखा की अध्यक्षता में आक्रोश सभा का आयोजन किया। मजदूर श्रम मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा के आवास के लिए कूच करने की तैयारी कर ही रहे थे की अचानक श्रम मंत्री सेक्टर 12 मजदूर सभा में पहुंच गए। सीटू के नेताओं ने मंत्री को मजदूरों एवं स्कीम वर्करों की लंबित मांगों का ज्ञापन सौंपा। श्रम मंत्री ने मजदूर सभा को संबोधित करते हुए आश्वासन दिया कि अगले सप्ताह चंडीगढ़ पहुंच कर मीटिंग का समय निश्चित किया जाएगा और ज्ञापन में लिखी मांगों का बातचीत से समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

मजदूर नेताओं ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा की प्रदेश के विकास में मजदूरों का सबसे बड़ा योगदान है। सरकार लाखों मजदूरों के श्रम की लूट कर रही है। 2014 में जब तत्कालीन सरकार ने न्यूनतम वेतन रिवाइज किया तो यह देश में सबसे ऊपर के राज्यों में था। दिल्ली का वेतन भी कम था। आज हालत यह है कि दिल्ली में मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन 17500 के करीब है और हरियाणा में करीब 10500 रुपए। यानी करीब 7000 रुपए कम। मजदूरों की यह लूट पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए की जा रही ही।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के 14 जिले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आते हैंए इनमे न्यूनतम वेतन कायदे से दिल्ली के बराबर होना चाहिए।

इसे केंद्र सरकार को भी देखना चाहिए।

नेताओं ने श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा से मांग की गई की राज्य में मजदूरों के लिए 26000 रुपए न्यूनतम वेतन घोषित हो, असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए बोर्ड बनें, निर्माण श्रमिको के बने बोर्ड के तहत सुविधाओं पर अघोषित पाबंदी हटे, भट्टा मजदूरों के लिए लिया बोर्ड पंजीकरण का कार्य अनुभव एक साल की बजाय 6 महीने हो। श्रम विभागए सेफ्टी एंड हेल्थ में पर्याप्त ऑफिस व स्टाफ की भर्ती हो। स्कीम वर्कर्स और कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए, लेबर कोड्स और ड्राइवर विरोधी काले कानून रद्द किए जाए।

सभा सीटू के पलवल के जिला प्रधान रमेश चंद, पूर्व प्रधान श्रीपाल सिंह भाटी, ऑटो रिक्शा यूनियन प्रधान भोपाल सिंह, आशा वर्कर्स जिला प्रधान हेमलता, सचिव सुधा, आंगनवाड़ी यूनियन सचिव देविद्री शर्मा, रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान नवल सिंह, सीटू के उपाध्यक्ष शिव प्रसाद, सुदर्शन, दयाराम, लेखराज आदि ने भी संबोधित किया।

क्लब की गतिविधियां को बढ़ाने से जरूरतमंद तक पहुंचेगी मददः लायन एनके गुप्ता

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। लायन इंटरनेशनल डिस्ट्रिक 321ए.1, रिजन.3 के 13 क्लबों की संयुक्त शपथ समारोह सेक्टर-31 स्थित एक होटल में आयोजित किया गया। समारोह की शुरूआत लायन के एम गोयल (पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर) ने दीप प्रज्जवलित करके की। समारोह में मुख्यातिथि और शपथ अधिकारी लायन एनके गुप्ता, जिला गर्वनर ने इस संयुक्त शपथ समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अपने क्लब की सेवा गतिविधियों को बढ़ाने की अपील की ताकि हम जरूरतमंदों तक पहुंच सके और उनकी मदद कर सके। उन्होंने क्लब का उद्देश्य समाजसेवा है और इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर क्लब कार्य कर रहा है।

लायन टीपीएस खिल्लन, चेयरमैन डीजी हनी कमेटी, लायन केएम गोयल, पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर, लायन प्रदीप सिंघल, पूर्व डिस्ट्रिक गर्वनर, लायन ओंकार सिंह, रेनू प्रथम वाइस डिस्ट्रिक गर्वनर, लायन संदीप कुमार, द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक गर्वनर ने इस शपथ समारोह में उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई और सभी को शुभकामनाएं दी। इस शपथ समारोह के लिए एक आयोजन समिति बनाई गई थी, जिसमें लायन आर के जग्गी चेयरमैन, ज्वाइंट इंस्टालेशन, लायन आर के चिलाना चेयरमैन, रिसेप्शन कमेटी, लायन सतीश परनामी को.चेयरमैन, लायन एसएम नागपाल को.चेयरमैन, लायन सुनील अग्रवाल को.चेयरमैन, लायन आरके गुप्ता एमओसी.डिस्टिक प्रिंसिपल कैबिनेट सेक्रेटरी, लायन राजन भाटिया चेयरमैन हॉस्पिटलिटी कमेटी, लायन महेश बग्गा चेयरमैन प्रोटोकॉल, लायन विनय गुप्ता चेयरमैन रजिस्ट्रेशन कमेटी, लायन जयदीप कत्याल चेयरमैन, फाइनेंस कमेटी, जिनके लगातार प्रयासों से यह संभव हो पाया। कार्यक्रम के दौरान संगीत और अन्य गतिविधियां भी आयोजित की गई थी।